सुविचार

जब थोड़ी फुर्सत मिले अपनी बात कह दीजिए बहुत खामोश रिश्ते ज्यादा दिनों तक जिंदा नही रहते हैं।

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

Published from Ranchi

08

बेकार फिल्में दर्शक रिजेक्ट करें : नुसरत

Ranchi ● Tuesday, 23 May 2023 ● Year : 01 ● Issue : 126 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

संसेक्स	:	61,963.68
निफ्टी	:	18,314.40

SARAFA

सोना	:	5,765
चांदी	:	78.06

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

31 मई को होगी हेमंत सोरेन कैबिनेट की बैठक

RANCHI : राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक 31 मई को होगी। इस संबंध में मंत्रिमंडल सचिवालय समन्वय विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। मुख्यमंत्री की हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में शाम चार बजे प्रोजेक्ट भवन में होने वाली बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाने की संभावना है। मंत्रिमंडल सचिवालय समन्वय विभाग में सभी विभागों को पत्र लिखकर प्रस्ताव की मांग की है , जिसे कैबिनेट की बैठक में रखा जाएगा

धूप-छांव से दोपहर बाद गर्मी से राहत के आसार

RANCHI : रांची समेत पूरे झारखंड में गर्मी का सितम जारी है। तेज धूप और लू चलने से लोगों को घर से बाहर निकलना मुश्किल है। हालांकि मौसम विभाग के अनुसा, राज्य में चार दिनों तक आसमान में बादलों का आना जाना लगा रहेगा। धूप-छांव जैसा मौसम बना रहेगा। राज्य के उत्तर पूर्वी जिलों के अलावा मध्य हिस्से यानी रांची, रामगढ़, हजारीबाग, बोकारो और खूंटी जिले में आंशिक बादल छाए रहने से दोपहर बाद राहत मिलने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि इस बार गर्मी ने लोगों को बहुत सताया है। तेज धूप और लू के कारण लोगों को काफी परेशानी हुई है। आनेवाले हफ्ते में झारखंड समेत कई राज्यों में गर्मी से थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के मुताबिक, राज्य में आने वाले हफ्ते में हीट वेव का असर कम देखने को मिलेगा। इस साल केरल में मानसून 4 जून तक आने की संभावना है। ऐसा होने पर झारखंड में मानसून 12 जून तक आ सकता है। रांची में 15 जून तक मानसून की बारिश की उम्मीद है।

2000 के नोट बैंक से बदलने के मामले में PIL

NEW DELHI : 2000 के नोट बदलने की प्रक्रिया मंगलवार से देश के सभी बैंकों में शुरू हो जाएगी। इस बीच, रिजर्व बैंक और स्टेट बैंक के बिना डॉक्यूमेंट के नोट बदलने के आदेश के खिलाफ भाजपा नेता और वकील अश्विनी उपाध्याय ने दिल्ली हाईकोर्ट में पीआईएल दायर की है। उन्होंने बिना किसी पहचान प्रमाण पत्र के 2000 के नोट बदलने की अनुमति न देने की मांग की है। इधर, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि लोग नोट बदलने के लिए बैंकों में भीड़ ना लगाएं। हमने 4 महीने का समय दिया है। आप आराम से नोट बदलिए, लेकिन समय सीमा को गंभीरता से लीजिए। दास ने कहा, '30 सिंतबर की डेडलाइन के बाद भी 2000 के नोट लीगल टेंडर रहेंगे यानी वैध रहेंगे।' आरबीआई ने 19 मई को 2000 रुपए के नोट बंद करने का ऐलान किया था। आरबीआई ने 30 सितंबर तक ऐसे नोट बैंकों में बदलने या अकाउंट में जमा करने को कहा है। आरबीआई ने सोमवार को एक ओर गाइडलाइन जारी की। इसमें बैंकों से कहा गया है कि गर्मी को देखते हुए वो लोगों के लिए छायादार जगहों और पानी का इंतजाम करें। कितने नोट बदले गए और कितने जमा किए गए, इसका रोजाना हिसाब रखें। दास ने कहा, 'जो भी परेशानी आएगी, उसे हम दूर करेंगे। हम भी बैंकों के जरिए इस प्रक्रिया पर नजर रखेंगे।

मणिपुर: 18 दिन बाद फिर भड़की हिंसा, उपद्रवियों ने कई घर फूंके

दो हिरासत में, हथियार बरामद, 26 मई तक INTERNET DOWN

AGENCY IMPHAL : मणिपुर में 18 दिन बाद एक बार फिर हिंसा हुई। राजधानी इंफाल में सोमवार को उपद्रवियों ने खाली पड़े घरों में आग लगा दी। मीडिया की खबरों में कहा जा रहा है कि पहले ही हिंसा के बाद जो लोग अपने-अपने घर छोड़कर पलायन कर चुके हैं, उपद्रवियों ने उन घरों में आग लगा दी है। उधर, भारतीय सेना ने सोमवार को कहा कि हिंसाग्रस्त मणिपुर के इंफाल के बाहरी इलाके में संभावित आपसी संघर्ष के इनपुट के बाद संवेदनशील इलाकों में सेना और असम राइफल्स के जवानों को तैनात कर दिया गया। उसने कहा कि फिलहाल इंफाल के बाहरी इलाकों में स्थिति नियंत्रण में है। इस दौरान करीब तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। उनके पास से दो हथियार भी बरामद किए गए हैं। उसने कहा कि स्थिति शांतिपूर्ण है। मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, पहाड़ी राज्य मणिपुर में सोमवार को हिंसा एक बार फिर भड़क गई। इस दौरान उपद्रवियों ने उन घरों में आग लगा दी है, जो अपने-अपने घरों को छोड़कर पड़ोसी राज्यों में शरण लिये हुए हैं। समाचार एजेंसी एएनआई के एक ट्वीट के अनुसार, उपद्रवियों ने न्यू लैंबुलेन इलाके में पलायन करने वाले परिवारों के खाली घरों में आग लगा दी। वहीं, समाचार एजेंसी पीटीआई ने बताया कि आगजनी के कारण कोई हताहत

मणिपुर की राजधानी इंफाल में उपद्रवियों द्वारा घर पर लगाई आग से निकलता धुंआ ● एजेंसी

इंफाल में फिर लगा कर्फ्यू

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मणिपुर में हिंसा और उपद्रव की घटना के बाद मणिपुर के पूर्वी जिले इंफाल में एक बार फिर कर्फ्यू लगा दिया गया है। इसके साथ ही, सेना और पुलिस के जवानों की गश्त बढ़ा दी गई है और नियमों को कड़ा कर दिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कुकी छात्र संगठन (केएसओ) की दिल्ली इकाई ने दावा किया है कि इंफाल के चास्सड एवेन्यू में एक आईसीआई चर्च को निशाना बनाया गया है और उसे जला दिया गया। मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, उपद्रवियों की ओर से खाली घरों में आग लगाए जाने के बाद सेना और असम राइफल्स के जवानों को तैनात किया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि घटनास्थल पर पहुंचे सेना के जवानों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए बल प्रयोग किया और आंसूगैस के गोले दागे। हालांकि, इस दौरान कुछ लोगों को मामूली चोटें भी आईं। स्थानीय लोगों ने सड़क पर टायर जलाकर घटना का विरोध किया। बता दें कि मणिपुर में आदिवासियों को लेकर कुछ खास कानून हैं, जिसके तहत वे पहाड़ी इलाकों में रह सकते हैं। वहीं, मैतई समाज को अनुसूचित जनजाति का दर्जा न मिलने के कारण वो पहाड़ी इलाकों में नहीं बस सकते हैं। जिसके लिए मैतेई समाज खुद को अनुसूचित जाति का दर्जा हासिल करवाने की मांग कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मामला

17 मई को मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में हुई थी। कोर्ट ने राज्य सरकार को हिंसा प्रभावित लोगों को दी जा रही राहत, सुरक्षा, पुनर्वास पर नई स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट में मणिपुर ट्राइबल फोरम और हिल एरिया कमेटी ने याचिकाएं दाखिल की हैं। गर्मी की छुट्टी खत्म होने के बाद जुलाई में कोर्ट एक बार फिर इस मामले की सुनवाई करेगी। आपकों बता दें कि मणिपुर में 3 मई को चुराचांदपुर जिले के तोरबंग इलाके से हिंसा भड़की थी। इस दिन ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन ने आदिवासी एकजुटता मार्च बुलाया था। चुरचांदपुर में 4 मई को मुख्यमंत्री एन वीरेन सिंह के कार्यक्रम से पहले प्रदर्शनकारियों ने उनके मंच पर तोड़फोड़ और आगजनी की। इसके बाद राज्य के 10 से अधिक जिलों में हिंसक झड़प हुई थी। राज्य में हिंसा की वजह से अब तक 10 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित हुए हैं। सरकार ने दंगाइयों को गोली मारने का आदेश दे रखा है। हिंसक घटनाओं में अब तक 74 लोगों की मौत हो चुकी है। 230 से ज्यादा लोग घायल हो चुके हैं और 1700 घरों को जलाया गया है।

दिनेश गोप से आठ दिनों तक पूछताछ करेगी NIA

पेशी के बाद कोर्ट से मिली रिमांड

दिनेश गोप को पेशी के लिए एनआईए कोर्ट ले जाती पुलिस ● फोटोन न्यूज

CRIME REPORTER RANCHI : पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप को गिरफ्तार कर रांची लाए जाने के बाद सोमवार को उसे एनआईए कोर्ट में पेश किया गया। दिनेश गोप की पेशी कड़ी सुरक्षा के बीच हुई। इस दौरान मोस्ट वांटेड नक्सली दिनेश गोप का चेहरा काले कपड़े से ढका था। पेशी के बाद कोर्ट ने दिनेश गोप को 8 दिन की एनआईए रिमांड पर भेज दिया। रिमांड की अवधि सोमवार से ही शुरू हो गई है।

रविवार शाम रांची लाया गया दिनेश गोप

झारखंड में आतंक का पर्याय बन चुके पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया यानी पीएलएफआई के सुप्रीमो दिनेश गोप को शनिवार को गिरफ्तार किया गया था। बताया जा रहा है कि इस खूंखार नक्सली को पड़ोसी देश नेपाल से गिरफ्तार किया गया है। हालांकि, इस बात की अभी तक पुष्टि नहीं हुई है कि दिनेश गोप को कहां से गिरफ्तार किया गया। लेकिन, दिल्ली से उसे रांची लाये जाने की पुष्टि है। रविवार शाम 5:30 बजे कड़ी सुरक्षा के बीच उसे दिल्ली से बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से बाहर लाया गया। पीएलएफआई सुप्रीमो और झारखंड पुलिस के लिए मोस्ट वांटेड नक्सली दिनेश गोप का लंबा आपराधिक इतिहास है। दिनेश गोप पर कई संगीन आरोप हैं। सुरक्षा बलों पर हमला करने के अलावा उस पर लेवी वसूलने, लेवी के लिए ठेकेदारों-व्यापारियों को धमकी देने और उन्हें डराने-धमकाने के भी आरोप हैं।

गुमला पुलिस भी लेगी रिमांड पर

पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप को गुमला पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। गुमला पुलिस ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। गुमला जिले के किन-किन थानों में दिनेश गोप के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है और किन कांडों को दिनेश गोप ने अंजाम दिया है। उसकी लिस्ट भी तैयार की जा रही है, ताकि रिमांड पर लेकर दिनेश गोप से सभी मामलों में पूछताछ की जा सके। गुमला के पुलिस अधीक्षक डॉ एहतेशाम वकारीब ने कहा कि गुमला जिले के कामडारा थाना में 13, बसिया में दो व गुमला थाना में भी दिनेश गोप के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज है। इन मामलों में पूछताछ की जाएगी।

MASTER PLAN : रांची की बदलेगी तस्वीर, लोगों को जाम से मिलेगी मुक्ति

जुडको के पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन की सीएम हेमंत सोरेन ने ली जानकारी

PHOTON NEWS REPORTER : सीएम हेमंत सोरेन ने सोमवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में झारखंड अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (जुडको) के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में जुडको के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तावित जोनल ब्यूटीफिकेशन एंड रीडेवलपमेंट ऑफ एक्जिस्टिंग स्ट्रीट एंड रिलेटेड इंफ्रास्ट्रक्चर फ्रॉम अल्बर्ट एक्का चौक टू कचहरी चौक एंड सराउंडिंग एरियाज इन रांची के मास्टर प्लान का पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन रखा। जुडको द्वारा प्रस्तावित इस कार्य योजना के तहत रांची के अल्बर्ट एक्का चौक से कचहरी चौक और आसपास के क्षेत्र में मौजूदा सड़क और बुनियादी ढांचे का सौंदर्यकरण तथा पुनर्विकास कार्यों से संबंधित मास्टर प्लान तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रस्तावित कार्य योजना के मास्टर प्लान की विस्तृत जानकारी ली। मास्टर प्लान के हर पहलू को गहराई से समझा तथा अपनी ओर से कई आवश्यक सुझाव एवं दिशा-निर्देश अधिकारियों को दिए। मास्टर प्लान के तहत उन क्षेत्रों में मुख्य रूप से वेंडिंग जोन के साथ तीन मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण, ग्रीन एरिया का विस्तारीकरण, विभिन्न सड़कों का चौड़ीकरण कार्य तथा कचहरी चौक से जेल चौक तक अंडर बाईपास रोड का निर्माण सहित विभिन्न बुनियादी ढांचों के सौंदर्यकरण सहित अन्य कार्य किया जाना प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जुडको के अधिकारियों से कहा कि हमारी सरकार रांचीवासियों को सुरक्षित, सुगम और गुणवत्तापूर्ण सड़कें मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। रांची के कई महत्वपूर्ण सड़कों पर फ्लाईओवर निर्माण कार्य प्रगति पर है। शहर के बुनियादी ढांचे को सुंदर और सुव्यवस्थित बनाने का कार्य भी किया जा रहा है। जुडको आधुनिक तकनीक का उपयोग कर रांची शहर के बुनियादी ढांचों के विकास को लेकर ठोस और बेहतर कार्ययोजना बनाकर ससमय योजनाओं को पूरा करे। अल्बर्ट एक्का चौक से कचहरी चौक तथा रातू रोड चौक से कचहरी होते हुए जेल चौक तक सड़कों का चौड़ीकरण तथा सुदृढ़ीकरण कार्य किया जाना अत्यंत आवश्यक है। रांची के इन प्रमुख सड़कों में ट्रैफिक का दबाव ज्यादा रहता है। रोज जाम की स्थिति बनती है। इन सड़कों को व्यवस्थित कर लोगों को जाम की स्थिति से बचाया जा सकेगा तथा राहगीरों का समय और पैसा दोनों बचेगा।

जुडको की योजना की जानकारी लेते सीएम हेमंत सोरेन ● फोटोन न्यूज

शिबू सोरेन लोकपाल मामला

दिल्ली HC में 12 जुलाई को होगी अंतिम सुनवाई

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन से जुड़े लोकपाल मामले में दिल्ली हाईकोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। अदालत ने इस मामले में अंतिम सुनवाई के लिए 12 जुलाई की तारीख मुकर्रर की है। पिछली सुनवाई के दौरान अदालत ने डीए (आय से अधिक संपत्ति) मामले में शिबू सोरेन के खिलाफ लोकपाल के सामने कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। शिबू सोरेन ने अधिकार क्षेत्र के आधार पर सीबीआई को प्रारंभिक जांच की कार्यवाही और आदेश को चुनौती दी है। दिल्ली हाईकोर्ट की न्यायाधीश जस्टिस प्रतिभा एम सिंह की अदालत में शिबू सोरेन की याचिका पर सुनवाई हुई। शिबू सोरेन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अधिवक्ता प्रज्ञा सिंह बघेल पक्ष रख रहे हैं। वहीं लोकपाल की ओर से सॉलिसिटर जेनरल ऑफ इंडिया तुषार मेहता पक्ष रख रहे हैं।

राहुल गांधी के वकील ने सुनवाई के लिए कोर्ट से मांगा समय

मोदी सरनेम पर कथित टिप्पणी से जुड़े मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट मे सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और अपनी संसदीय गवा चुके कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अधिवक्ता प्रदीप चंद्रा ने कोर्ट से सुनवाई के लिए समय मांगा है। प्रदीप चंद्रा ने कोर्ट को बताया कि एमपी-एमएलए कोर्ट द्वारा सशरीर हाजिर होने के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी गयी है। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और वायनाड लोकसभा क्षेत्र के निवर्तमान सांसद राहुल गांधी को 22 मई को रांची सिविल कोर्ट में सशरीर हाजिर होने का निर्देश दिया गया था।

देवघर में रिटायर्ड फौजी की हत्या के 12 दोषियों को उम्रकैद

लाठी और रॉड से हमला कर पीट-पीटकर मार डाला था

PHOTON NEWS DEOGHAR : एडीजे (दो) संजीव भाटिया की अदालत ने सोमवार को जसीडीह थाना के शंकरी गांव में जमीन को लेकर हुए विवाद में रिटायर्ड फौजी दिवाकर झा पर लाठी और रॉड से हमला कर पीट-पीटकर हत्या मामले में 12 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनायी और 90-90 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया। यह घटना 25 जुलाई 2014 को घटी थी और चालक के बयान पर जसीडीह थाना में कांड संख्या 177/2014 दर्ज किया गया था। सजा पाने वालों में लक्ष्मी नारायण दास, श्याम रमानी, संदीप रमानी, भैरो रमानी, निताय रमानी, सरस्वती देवी, राजू रमानी, प्रमोद रमानी, बबुआ राम, धनंजय वर्मा, मनु रमानी और मनोज रमानी शामिल हैं।

प्राथमिकी के अनुसार सरकार से मिली जमीन पर फौजी अपना घर बनवा रहे थे और अपने ड्राइवर सुनील कुमार यादव के साथ कार से निर्माण कार्य का जायजा लेने पहुंचे थे। इस दौरान जमीन विवाद को लेकर आरोपियों ने हरवे -हथियार से लैस होकर रिटायर्ड फौजी को घेरा व उनकी कार में आग लगा दी। इसी क्रम में रिटायर्ड फौजी को लाठी और रॉड के प्रहार से घटनास्थल पर ही मार डाला व निमार्णाधीन घर की दीवार भी तोड़ दी थी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू विशेष विमान से 24 मई को आ रहीं रांची, हाईकोर्ट के नए भवन का करेंगी उद्घाटन

राजभवन, ट्रिपल आईटी व हाईकोर्ट भवन का दो KM रेडियस बना RED ZONE, चार IAS प्रतिनियुक्त

PHOTON NEWS RANCHI : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू विशेष विमान से 24 मई को रांची पहुंच रही हैं। उनके रांची आगमन और वापसी को लेकर तमाम तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। उनके प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल के 02 किलोमीटर की परिधि क्षेत्र को अस्थाई रूप से रेड जोन घोषित किया गया है। रांची के एसएसपी ने ड्रोन नियम 2021 के तहत अस्थायी रूप से रेड जोन घोषित किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 24 से 26 मई 2023 तक रांची में रहने वाली हैं। उनके निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक वह राजभवन में रूकेंगी। नए हाईकोर्ट भवन और नामकुम स्थित आईआईआईटी में आयोजित दीक्षांत कार्यक्रम में भाग लेंगी। उग्रवादी एवं आतंकी गतिविधि के मद्देनजर सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से उक्त स्थानों को रेड जोन घोषित किया गया है। साथ ही आईएएस अफसरों को तैनात किया गया है। पूरे कार्यक्रम की व्यवस्था और सुरक्षा की जवाबदेही एडीजी अभियान संजय आनंदराव लाठकर व भू-राजस्व सचिव डॉ अमिताभ कौशल को दी गयी है।

ऐसा है राष्ट्रपति का कार्यक्रम

- 24 मई की सुबह रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर पहुंचेंगी। इसके बाद उनका सबसे पहले देवघर जाने का कार्यक्रम हैं। वहां से लौटने पर वे रांची के धुर्वा में बनाये गये नये हाईकोर्ट भवन के उदघाटन कार्यक्रम में शामिल होंगी। रात्रि विश्राम, भोजन आदि की व्यवस्था राजभवन में रहेंगी।
- 25 मई को राष्ट्रपति खूंटी में आयोजित आदिवासी महिलाओं के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करेंगी। इसके बाद वे रांची के नामकुम में आयोजित आईआईटी के दीक्षांत समारोह में भाग लेंगी। रात्रि विश्राम राजभवन में होगा।
- 26 मई को राजभवन में ही गणमान्य लोगों से मुलाकात करेंगी। इसके बाद वे राजभवन से रांची एयरपोर्ट के लिए रवाना हो जायेंगी।

विकास की नई गाथा लिख रहे हैं CM हेमंत सोरेन : संजीव बेदिया

रिवर साईड ऑफिसर्स क्लब में झामुमो कार्यकर्ता मिलन समारोह का हुआ आयोजन

PHOTON NEWS RAMGARH

झारखंड मुक्ति मोर्चा पतरातू प्रखंड कमेटी के तत्वावधान में रविवार को रिभर साईड भुरकुंडा स्थित ऑफिसर्स क्लब में कार्यकर्ता मिलन समारोह का आयोजन हुआ। इसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र बेदिया व संचालन प्रखंड सचिव उदय अग्रवाल ने किया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पार्टी के केंद्रीय सचिव सह झारखंड परिवहन प्राधिकार सदस्य संजीव बेदिया उपस्थित थे।

नये सदस्यों के साथ मुख्य अतिथि संजीव बेदिया व झामुमो के लोग। ● द फोटोन न्यूज

कार्यक्रम में अपने सैंकड़ों समर्थकों के साथ दोतल्ला पंचायत की मुखिया सत्यवंती देवी और पूर्व मुखिया लव कुमार महतो ने झामुमो का दामन थामां। इन सभी को मुख्य अतिथि संजीव बेदिया ने फूल माला पहनाकर स्वागत किया। मौके पर संजीव बेदिया ने कहा कि सही मायने में अभी झारखंड के माटी पुत्र हेमंत सोरेन के हाथ में सरकार है। यह सरकार जन-जन की समस्याओं से अवगत होकर जन कल्याणकारी योजनाओं को नित्य प्रतिदिन लागू कर रही है।

उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन अब तक के सर्वश्रेष्ठ मुख्यमंत्री बनकर राज्य ही नहीं देश में भी अपनी गरिमा स्थापित कर चुके हैं। हेमंत सोरेन के नेतृत्व में विकास की किरण समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए हर संभव कार्य किया जा रहा है।

बेदिया ने उपस्थित लोगों को सरकार द्वारा चलाए जा रहे लाभकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि संघर्ष किसी को भी कहीं-कहीं पहुंचा सकता है। सही मायने में संघर्ष ही सही मुकाम दिलाता है। मौके पर झामुमो के वरिष्ठ नेता ग्यास खान, जिला सचिव विनोद कुमार महतो, जिला उपाध्यक्ष आजाद अंसारी, जिला संगठन सचिव हरिला बेदिया, झाकोमयू के बरका-सयाल क्षेत्रीय अध्यक्ष संजय वर्मा, अनिल एक्का, उदय मालाकार, बिरेंद्र यादव, वरिष्ठ नेता मुकेश राउज, मुमताज अंसारी, टिंकु बेदिया, मो. इस्लाम, गाणेश बेदिया, सीमा देवी, पूनम देवी सहित दर्जनों महिला-पुरूष मौजूद थे।

पार्टी का दामन थामने के बाद पूर्व मुखिया लव कुमार महतो ने कहा कि झामुमो आंदोलन की उपज है। संघर्ष व आंदोलन के लिए ही झामुमो जाना जाता है। उन्होंने कहा कि इसी सोच के तहत मैंने अपने समर्थकों के साथ लोगों को न्याय दिलाने के लिए झामुमो से जुड़ा हूं। समस्याओं का समाधान व पार्टी को मजबुत बनाना मेरा उद्देश्य होगा।

दोतल्ला पंचायत की मुखिया सत्यवंती देवी व पूर्व मुखिया लव कुमार महतो के नेतृत्व में झामुमो का दामन थामने वालो में चोरधरा पंचायत के पूर्व मुखिया राजेंद्र सिंह उर्फ दारा, रोशन कुमार, संजय कुमार, मनोज कुमार ददन, भगवान दास करमाली, सुनील, महेश साव, मनोज चैधरी, खुर्शीद आलम, राकेश रंजन, प्रवीर तफादार, रघुनाथ मांझी, विनोद, भरत, बबलू, सुषमा देवी, लालती देवी, प्रभावती देवी, बोरोनिका देवी, प्रभा देवी, रिया प्रसाद, पारो देवी, चिंता देवी, वाहीदा खातुन, कविता देवी, राधा देवी, साजिया खातुन, जुलेखा खातुन, सीमा कुमारी, हमीदा खातुन, सोनाई देवी, रेखा देवी सहित दर्जनों लोग शामिल हैं।

BRIEF NEWS

ब्रह्माकुमारी संस्थान के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से की मुलाकात

RANCHI : ब्रह्माकुमारी संस्थान के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को ब्रह्माकुमारी निर्मला बहन के नेतृत्व में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से राजभवन में मुलाकात की। निर्मला बहन ने राज्यपाल को संस्था की गतिविधियों तथा सेवाओं से अवगत कराया। साथ ही स्मृति चिन्ह, प्रसाद तथा ईश्वरीय साहित्य भेंट किया। राज्यपाल ने संस्था की गतिविधियों में रूचि दिखाते हुए अपने पूर्व के अनुभव साझा किये तथा आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रपति को करना चाहिए नए संसद भवन का उद्घाटन : खड़गे

मल्लिकार्जुन खड़गे की फाईल फोटो।

NEW DELHI : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि नए संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति को करना चाहिए। वह संविधान और देश के हर नागरिक का प्रतिनिधित्व करते हैं। खड़गे ने सोमवार को ट्वीट कर कहा कि मोदी सरकार दलित और जनजातीय समुदायों से राष्ट्रपति केवल चुनावी वजहों से बनाती है। उन्होंने कहा कि जब इस नए संसद भवन का शिलान्यास हुआ तो तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को नहीं बुलाया गया और अब उद्घाटन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को निमंत्रण नहीं दिया गया। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगभग 1200 करोड़ रुपये की लागत से बनकर तैयार नए संसद भवन का 28 मई को उद्घाटन करेंगे। पीएम मोदी के जरिये किये जाने वाले प्रस्तावित उद्घाटन को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी आपत्ति जताई थी। कल राहुल गांधी ने भी ट्वीट कर कहा था कि नए संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति को ही करना चाहिए, प्रधानमंत्री को नहीं!

डॉ वंदना दास के समाधि स्थल पर स्मृति ईरानी ने दी श्रद्धांजलि, माता-पिता से की मुलाकात

डॉ वंदना के माता-पिता से मुलाकात कर सांत्वना देती स्मृति ईरानी।

NEW DELHI : केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और वी. मुरलीधरन ने सोमवार को कोट्टायम स्थित आवास के पास डॉ वंदना दास के समाधि स्थल पर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद स्मृति ईरानी और केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री और संसदीय मामलों के राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने कुरुप्पंथरा, कोट्टायम में डॉ वंदना दास के माता-पिता से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। कोल्लम के कोट्टारक्कारा तालुक अस्पताल में 10 मई की रात को इलाज के लिए लाए गए एक व्यक्ति ने उसके घाव की मरहम-पट्टी करते वक्त कैंची और सर्जरी में इस्तेमाल होने वाले ब्लेड से हमला कर डॉ वंदना दास की हत्या कर दी थी।

नीतीश ने की खड़गे से मुलाकात, कांग्रेस ने कहा- विपक्षी पार्टियों की बैठक जल्द

मल्लिकार्जुन खडगे से मुलाकात करते नीतीश कुमार।

NEW DELHI : केन्द्र की भारतीय जनता पार्टी की सरकार के खिलाफ विपक्षी पार्टियों को लामबंद करने की मुहिम में आज बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिले। इसके बाद कांग्रेस की ओर से बयान आया कि विपक्षी पार्टियों की जल्द ही एक बैठक आयोजित की जाएगी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज मलिकार्जुन खड़गे से उनके आवास पर मिले। इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी उपस्थित रहे। मुलाकात के बाद कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि विपक्षी पार्टियों की बैठक को लेकर हमारे बीच एक विस्तृत चर्चा हुई। बैठक की तारीख और स्थान अगले एक-दो दिन में तय किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पिछले काफी समय से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्षी पार्टियों को एकजुट करने के लिए विभिन्न पार्टियों के नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। इससे पहले कल दिल्ली में उन्होंने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की थी।

अधिक महिला कार्यबल वाले स्थानों पर ज्यादा से ज्यादा क्रेच खोले जाने चाहिए: स्मृति ईरानी

कार्यक्रम में जनता को संबोधित करती स्मृति ईरानी। ● द फोटोन न्यूज

NEW DELHI : केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने केरल राज्य सरकार से अधिक महिला कार्यबल वाले स्थानों पर ज्यादा से ज्यादा क्रेच (शिशु देख भाल केन्द्र) शुरू करने का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री भारत की अध्यक्षता में श्रम-20 बैठक के हिस्से के रूप में तिरुवनंतपुरम में बीएमएस राज्य महिला सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रही थी। इस मौके पर स्मृति ईरानी ने कहा कि केरल में आंगनवाड़ी केन्द्रों को तकनीक की मदद से और आधुनिक बनाने की जरूरत है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केरल में 33,000 आंगनवाड़ी केन्द्र हैं, जिसमें पर्यवेक्षक के 13 प्रतिशत पद खाली पड़े हैं। इन पदों को शीघ्र भरा जाना चाहिए। स्मृति ईरानी ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना लाभार्थियों की पहचान करने और सीधे लाभ प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करती है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार अधिक लाभार्थियों की पहचान करती है तो भी केंद्र सरकार वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। केंद्रीय संसदीय कार्य राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन ने इस मौके पर राज्य सरकार से राज्य में कार्यस्थलों पर महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की जी 20 अध्यक्षता पूरे समाज की प्रगति को शामिल करने वाला एक बड़ा कार्यक्रम बन रहा है।

अंबा प्रसाद ने लगाया जनता दरबार, समाधान का दिया आश्वासन

कांग्रेस व विधायक के कार्यों से प्रेरित दर्जनों लोगों ने पार्टी का थामा दामन

PHOTON NEWS RAMGARH

नये सदस्यों के साथ विधायक अंबा प्रसाद व कांग्रेसी9। ● द फोटोन न्यूज

स्थानीय विधायक अंबा प्रसाद ने पीटीपीएस स्थित अपने आवासीय कार्यालय में सोमवार को जनता दरबार लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। पतरातू प्रखंड के विभिन्न दूर-दराज ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने बारी-बारी से अपनी समस्याएं से अंबा प्रसाद का अवगत कराया। मौके पर ही विधायक अंबा प्रसाद ने कई समस्याओं का ऑन द स्पॉट समाधान करा दिया। वहीं कई समस्याओं के समाधान कि संबंधित विभागों निर्देशित करते हुए दूरभाष के माध्यम से कई महत्वूपर्ण सुझाव दिए। जनता दरबार के दौरान ही लपंगा के दर्जनों लोगों ने रमेश बेदिया के नेतृत्व में कांग्रेस व विधायक अंबा प्रसाद के कार्यों से प्रेरित होकर पार्टी का दामन थामा। नये सदस्यों को फूल माला पहनाकर स्वागत करते हुए विधायक ने कांग्रेस की सदस्यता दिलाई। मौके पर विधायक अंबा प्रसाद ने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान ही कांग्रेस का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जात की नहीं जमात की राजनीति करता है। इसमें सभी वर्गों को एक समान मान-सम्मान दिया जाता है। उन्होंने कहा कि हर हाल में ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान होगा। वहीं पार्टी का दामन थामने वाले सदस्यों ने कहा कि विधायक की कार्यशैली से प्रभावित होकर हमलोगों ने कांग्रेस पार्टी का दामन थामा है। कांग्रेस पार्टी को और मजबूत बनाने के लिए हमलोग हरेक क्षेत्र में कार्यकताओं का जोड़ने का काम करेंगे। कांग्रेस का दामन थामने वालों में राजकुमार बेदिया, विनेश बेदिया, अजय ठाकुर, मनोज बेदिया, मनराज बेदिया, मो. आलम, अजय लाल, कमल बेदिया, प्रदीप बेदिया, मनीष बेदिया, उमेश बेदिया, कृष्णा बेदिया, अमित बेदिया, सुरेंद्र बेदिया आदि शामिल हैं। मौके पर विधायक प्रतिनिधि कृष्णा सिंह, युवा कांग्रेस के बड़कागांव विधानसभा अध्यक्ष जयंत तुरी, योगेंद्र सिंह खरवार, प्रदीप साहू, रमेश बेदिया, अंजन प्रसाद, सैफुल्लाह खालिद, रामशरण गिरी, संजीत यादव, रवि साव, राजेश महतो, कपिल रवानी, रामकुमार महतो, नरेंद्र सिंह, अभय दुबे सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

बाबूलाल मरांडी ने न्यूज पोर्टलों के सत्यापन को राज्य सरकार का तुगलकी फरमान बताया

PHOTON NEWS RANCHI

भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार की ओर से मीडिया संस्थानों खासकर न्यूज पोर्टलों के वेरिफिकेशन की तैयारी पर नाराजगी जाहिर करते इसे तुगलकी फरमान बताया है। सोमवार को उन्होंने सोशल मीडिया के जरिये कहा है कि मुख्यमंत्री का आदिवासी हितैषी होने का मुखौटा अब उतर चुका है। सरकार का पूरा प्रोपेगेंडा सिस्टम ध्वस्त हो चुका है। जमीन दलाली, बेरोजगारी, अवैध खनन आदि ऐसे मुद्दे हैं जो कि आज झारखंड के गांव-गांव तक पहुंच चुके हैं।

बाबूलाल मरांडी की फाईल फोटो।

ये सब मुमकिन हुआ है झारखंड के मीडिया बंधु और युवाओं के प्रयास से।

उन्होंने कहा कि झारखंड के लाखों युवा छोटे- छोटे समूह बना कर फेसबुक, यू ट्यूब, व्हाट्सऐप आदि पर अपनी पीड़ा बयान कर रहे हैं। सरकार की पोल खोल रहे हैं।

ये एक तरह से मेन स्ट्रीम मीडिया के पैरेलल ग्राउंड लेवल की रिपोर्टिंग कर रहे हैं पर एक युवराज को यह स्वीकार नहीं हुआ कि कैसे आम आदमी भी उसके खिलाफ लिख-बोल रहे हैं। बाबूलाल के अनुसार सरकार ने एक तुगलकी फरमान जारी कर दिया कि तमाम ऐसे न्यूज पोर्टल का सत्यापन हो। उन्होंने कहा कि अब इस सरकार का समय पूरा हो चुका है।

राष्ट्रपति के आगमन को लेकर बैद्यनाथ मंदिर में आम श्रद्धालुओं का प्रवेश निषेध

PHOTON NEWS DEOGHAR

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के देवघर आगमन पश्चात बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पूरी विधि व्यवस्था एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा पाठ किया जाना है। ऐसे में 24 मई को राष्ट्रपति के बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना को लेकर विधि व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं का प्रवेश बाबा मंदिर प्रांगण में निषेध किया है। राष्ट्रपति के बाबा बैद्यनाथ मंदिर में दर्शन पूजन कार्यक्रम के उपरांत आम दिनों की भांति श्रद्धालुओं के लिए मंदिर परिसर खोल दिए जाएंगे।

राष्ट्रपति के आगमन की तैयारियों को लेकर एडीजी ने की समीक्षा बैठक

PHOTON NEWS DEOGHAR

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तीन दिवसीय दौरे पर 24 मई को झारखंड आयेंगी। वे 24 से 26 मई तक झारखंड में रहेंगी। राष्ट्रपति 24 मई सुबह 8:55 बजे देवघर पहुंचेंगी। इसके मद्देनजर तैयारियों को लेकर सोमवार को एडीजी संजय आनंद लाटकर, खाद्य आपूर्ति विभाग सह राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव अमिताभ कौशल, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सचिव मनीष रंजन ने देवघर परिसदन में समीक्षा बैठक की।

समीक्षा बैठक में एडीजी व अन्य अधिकारी। ● द फोटोन न्यूज

बैठक में अब तक किए गए कार्यों की बिन्दुआर समीक्षा के अलावा सुरक्षा-विधि व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान अधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों व दण्डाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति के अलावा यातायात व्यवस्था, मेडिकल टीम, विद्युत, पेयजल, अग्निशमन, साफ-सफाई से जुड़े कार्यों की समीक्षा की गयी। बैठक के दौरान उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने विधि-व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्थ के अलावा की जा रही विभिन्न तैयारियों की वस्तुस्थिति से अवगत कराया।

इसके साथ ही एडीजी संजय आनंद लाटकर, खाद्य आपूर्ति विभाग सचिव अमिताभ कौशल और पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सचिव मनीष रंजन ने डीसी ,एसपी के साथ मंदिर का निरीक्षण भी किया।

जिनेवा में 76वीं विश्व स्वास्थ्य सभा को संबोधित करेंगे डॉ. मनसुख मांडविया

AGENCY NEW DELHI

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ मनसुख मांडविया 21 से 30 मई 2023 तक जिनेवा, स्विट्जरलैंड में होने वाली 76वीं विश्व स्वास्थ्य सभा में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस दौरान वे विश्व स्वास्थ्य सभा को संबोधित भी करेंगे।

एक स्वस्थ दुनिया के लिए भारत की प्रतिबद्धता के अनुरूप, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री 'हील इन इंडिया एंड हील बाय इंडिया' के साथ-साथ 'टुगेदर वी फाइट अगेंस्ट टीबी' के साइड इवेंट्स में चिकित्सा के क्षेत्र में भारत के योगदान को दोहराते हुए मुख्य भाषण देंगे।

मनसुख मांडविया की फाईल फोटो।

स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक डॉ. मांडविया दुनिया भर के देशों से विभिन्न द्विपक्षीय बैठकों में भाग लेंगे, भाग लेने वाले देशों के बीच स्वास्थ्य देखभाल सहयोग के अवसरों को बढ़ावा देंगे और मीडिया बातचीत में भी भाग लेंगे। द्विपक्षीय बैठकों में सिंगापुर, फ्रांस, नीदरलैंड, यूएसए, बांग्लादेश, अर्जेंटीना, ब्राजील, कतर और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त, ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, चीन और दक्षिण-अफ्रीका) के प्रतिनिधियों के साथ एक बहुपक्षीय बैठक भी निर्धारित है।

इस सभा के प्रमुख एजेंडे में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज, सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति, स्वास्थ्य और भलाई, और अधिक प्रभावी और कुशल विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुद्दों पर चर्चा और विचार-विमर्श शामिल होगा, जिसमें वैश्विक सहयोग और साझेदारी के निर्माण के महत्व पर जोर दिया जाएगा।

BEGUSARAI में पत्रकारों से बात करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा

आतंकवादियों को संरक्षण देती है पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती

BEGUSARAI : केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष और जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री की महबूबा मुफ्ती आतंकवादियों की संरक्षक है। उसी ने जम्मू कश्मीर में आतंक फैलाई।

सोमवार को बेगूसराय में पत्रकारों से बात करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा है कि आज महबूबा मुफ्ती टीपू सुल्तान के मजार पर फतिहा पढ़ने की बात कर रही है। वह अक्रांता और

गिरिराज सिंह की फाईल फोटो।

लुटेरा टीपू सुल्तान के मजार पर पूजा करें, नमाज पढ़े या फतिहा, जो मन है करे। लेकिन टीपू सुल्तान ने अंग्रेजों के खिलाफ कोई लड़ाई नहीं लड़ी थी।

टीपू सुल्तान भी भारत को लूटने आया था। भारत को लूट कर अपना शासन किया। अंग्रेज आए तो अपना शासन बचाने के लिए टीपू सुल्तान ने भारत की संस्कृति को भी लूटा। अंग्रेजों की तरह वह भी लुटेरा था। आज आतंकवादियों की संरक्षक महबूबा मुफ्ती एक आक्रांता के मजार पर नमाज पढ़ने की बात कर रही है।

जमीयत उलेमा-ए-हिन्द के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी द्वारा महाराष्ट्र में एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाकर कांग्रेस द्वारा 70 साल पुरानी गलती सुधारने का बयान देने पर गिरिराज सिंह ने असद मदनी के साथ-साथ अन्य पर भी जोरदार प्रहार किया।

गिरिराज सिंह ने कहा कि 70 साल पहले अगर हमारे पूर्वजों से भूल नहीं होती तो बंटवारा में पूरा मुस्लिम कम्युनिटी पाकिस्तान चला जाता। पूरा मुस्लिम कम्युनिटी पाकिस्तान चला जाता तो आज भारत में जाकर मियां, असदुद्दीन ओवैसी, अरशद मदनी जैसे लोग पैदा नहीं होते। भारत को गजवा-ए-हिंद बनाने की बात कोई नहीं करता।

आज वह बजरंग दल पर कांग्रेस द्वारा प्रतिबंध लगवाने की बात कह रहे हैं, यह देश का दुर्भाग्य है। दुर्भाग्य है कि हमारे पूर्वजों से बहुत बड़ी भूल हुई। उसी भूल का खामियाजा आज की युवा पीढ़ी भोग रही है। मदनी, ओवैसी और जाकिर मियां जैसे लोग भारत में पैदा होकर भारत को ही गजवा-ए-हिंद बनाने की बात करते हैं। सर तन से जुदा करने का नारा लगा रहे हैं।

Daily THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
www.thephotonnews.com
Tuesday, 23 May 2023

BRIEF NEWS

तीन किलो 400 ग्राम गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

RANCHI : सोनाहातू थाना पुलिस ने एक गांजा तस्कर गोकुल दास को गिरफ्तार किया है। वह सोनाहातू के होटलो गांव का रहनेवाला है। इसके पास से तीन किलो 400 ग्राम गांजा, एक बाइक और एक मोबाईल फोन बरामद किया गया है। जब्त गांजा का बाजार मूल्य 75 हजार रुपये बताया गया है। ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने सोमवार को प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि राहे ओपी के चंदनडीह के पास गांजा तस्कर आये है। सूचना के बाद एसडीपीओ अजय कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम अविलंब चंदनडीह स्कूल के पास पहुंचा और देखा कि कुछ लोग जंगल में खड़ा होकर आपस में बातचीत कर रहे है। जब जंगल में पुलिस टीम बढ़ने लगी तो गांजा तस्कर पुलिस टीम को देखकर भागने लगे। पुलिस टीम ने भाग रहे एक गांजा तस्कर को पकड़ लिया जबकि अन्य जंगल का फायदा उठाकर भाग निकले। एसपी ने बताया कि तस्कर को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया ,जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

बैंकों में नहीं उमड़ी भीड़ 8-10 लोग ही 2000 के नोट बदलने आए

RANCHI : बैंकों में 2000 रुपये के नोट बदलने अथवा डिपॉजिट करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। कई बैंक मंगलवार से इसकी शुरूआत करेंगे। सोमवार को राजधानी के बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन बैंक, केनरा बैंक समेत कई बैंकों में उपभोक्ताओं ने 2000 रुपये के नोट जमा किये। उम्मीद थी कि 8 नवंबर 2016 को हुई नोटबंदी के बाद जिस तरह नोटों को बदलने के लिए बैंकों में कतार लगी थी, वैसा ही नजारा इस बार भी दिखेगा। लेकिन पहले दिन ऐसी स्थिति नहीं दिखी। सप्ताह का पहला वर्किंग डे होने के बावजूद बैंकों में उपभोक्ताओं की संख्या आम दिनों से कम दिखी। दोपहर तक बैंकों में 2000 के नोट जमा करने वाले 8-10 लोग ही पहुंचे।

रिम्स में महिला ने 5 बच्चों को दिया जन्म

RANCHI : कुदरत का करिश्मा भी अजीब है। आये दिन नये-नये मामले देखने को मिलते हैं। रिम्स में भी ऐसा ही एक मामला देखने को मिला है। जहां चतरा जिला के ईटखोरी स्थित मलकपुर गांव की रहने वाली अनिता कुमारी ने एक साथ पांच बच्चों को जन्म दिया है। ये सुनकर घरवाले भी चकित रह गये। साथ ही जो भी ये सुन रहा है, महिला और बच्चों से मिलने चाहता है। हालांकि नवजात इस समय डॉक्टर की निगरानी में हैं। क्योंकि सभी लगभग एक किलो के हैं। सभी नवजात को नियोनेटोलॉजी विभाग में भर्ती किया गया है। चिकित्सकों ने बताया कि वजन कम है, बच्चे बहुत प्री मैच्योर हैं। इनका जन्म 26-27 हफ्ते में ही हो गया है।

कचहरी चौक पर नेत्र सेवा शिविर 28 मई को

RANCHI : बाबा विद्यापति स्मारक समिति की बैठक सोमवार को कचहरी चौक स्थित कार्यालय में हुई जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 28 मई को कार्यालय प्रांगण में नेत्र सेवा शिविर लगाया जाएगा। केयर नेत्रम के सौजन्य से ख्याति प्राप्त नेत्र रोग चिकित्सक डा चंपा सिंह एवं डा नीतू कुमारी नेत्र रोगियों का निश्शुल्क उपचार करेंगे। इस दौरान नेत्र के सही देखभाल की जानकारी भी देंगे। बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष जयंत झा, मृत्युंजय झा, श्याम किशोर चौबे आदि उपस्थित थे।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

रांची में एक ही दिन सामने आई दो वारदात, पहली घटना रिम्स में, दूसरा शुभम होटल का

अस्पताल की तीसरी मंजिल से कूदकर मरीज ने दी जान

मानसिक तौर पर बीमार था युवक, 19 मई की रात रिम्स में हुआ था भर्ती

CRIME REPORTER RANCHI : रिम्स के न्यूरो सर्जरी विभाग (डी-वन वार्ड) में भर्ती लोहरदगा निवासी लक्ष्मण कुमार ने रविवार की देर रात करीब एक बजे रिम्स के तीसरे तल्ला से कूदकर आत्महत्या कर ली। बताया गया है कि वह खिड़की से कूद गया। तीसरे तल्ला से गिरने के कारण उसके सिर और रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट लग गयी। लोगों ने इसकी सूचना गाड्र्स को दी। घटना की सूचना मिलते ही रिम्स अस्पताल के वरीय अधिकारी, तमाम डॉक्टर और अस्पताल के कर्मी मौके पर पहुंच गए। मामले की सूचना बरियातू थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी।

होमगार्ड और सैफ के जवानों ने इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया

सूचना मिलने पर रिम्स के होमगाड्र्स और सैफ के जवानों ने उसे इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया, लेकिन वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। वहीं, विभागध्यक्ष डॉ सीबी सहाय ने बताया कि मरीज की स्थिति उतनी खराब नहीं थी

कि सर्जरी करनी पड़े। दवाएं दी जा रहीं थीं। ट्रॉमा के कारण मरीज कई बार स्ट्रेस में आ जाते हैं और इस तरह का कदम उठा लेते हैं। पुलिस भी मामले की जांच में जुट गयी है।

19 मई की रात अस्पताल में भर्ती हुआ था मरीज, तबीयत में आ रही थी सुधार

रिम्स के होमगाड्र्स और सैफ के जवानों ने उसे इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया, लेकिन वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। मरीज 19 मई की रात को न्यूरो सर्जरी विभाग में डॉ अनिल कुमार की यूनिट में भर्ती हुआ था। सिर में चोट लगने के कारण खून का थक्का जमा हुआ था, जिसका इलाज चल रहा था। विभागाध्यक्ष डॉ सीबी सहाय ने बताया कि मरीज की स्थिति उतनी खराब नहीं थी कि सर्जरी करनी पड़ी थी, दवा भी दी गयी थी। ट्रॉमा के कारण मरीज कई बार स्ट्रेस में आ जाते हैं और इस तरह का कदम उठा लेते हैं। पुलिस इस मामले में परिवार वालों से भी पूछताछ कर रही है।

मानसिक तौर पर परेशान या आत्महत्या की कोई और वजह

इलाज करा रहे मरीज ने आत्महत्या क्यों कि इसका अब तक पता नहीं चल सका है। पुलिस वजह का पता लगाने में जुटी है बताया जा रहा है लक्ष्मण राम मानसिक रूप से बीमार था। इस का इलाज रिम्स में चल रहा था। थोड़ी देर के लिए मरीज के परिजन किसी काम से अस्पताल के बाहर निकले थे। अचानक उन तक मौत की खबर पहुंची। गौरतलब है कि रिम्स में मरीज की आत्महत्या का यह कोई नया मामला नहीं है। इसके पहले भी अगस्त 2020 में कोविड संक्रमित एक मरीज ने रिम्स अस्पताल में आत्महत्या कर ली थी।

होटल की तीसरी मंजिल से कूदी बंगाल की युवती, भर्ती

कमरे में मिली शराब की बोतल, पुलिस ने होटल के कमरे को किया सील

CRIME REPORTER RANCHI : अरगोड़ा थाना क्षेत्र में बिजली ऑफिस के पीछे स्थित एक होटल के तीसरे तल्ले से एक युवती ने कूदकर आत्महत्या करने की कोशिश की। युवती का इलाज अस्पताल में चल रहा है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। युवती की पहचान पश्चिम बंगाल के 24 परगना की निवासी पूजा के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलने के बाद हटिया डीएसपी राजा कुमार मित्रा और अरगोड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन में जुटी है। जांच के दौरान पुलिस को होटल के कमरे से बियर की बोतल समेत कई अन्य सामान मिले हैं। बताया जा रहा है कि होटल के कमरे में पूजा के अलावा तीन और युवती भी साथ में थी। पुलिस में होटल के कमरे को सील कर दिया है और आगे की जांच में जुटी हुई है। होटल के कई लोगों का कहना है कि लड़की ने छलांग लगाई है। मालूम हो कि अरगोड़ा थानाक्षेत्र अंतर्गत बिजली ऑफिस के पीछे शुभम होटल है, हादसा इसी होटल में हुआ है। पुलिस का कहना है कि लड़की ने बीती रात तकरीबन 12 बजे होटल की तीसरी मंजिल से छलांग लगाई। होटल में काम कर रहे कर्मचारियों की मदद से उसे अस्पताल पहुंचाया गया। लड़की की स्थिति गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने होटल में लगे सीसीटीवी का डीवीआर जब्त कर लिया है और उसकी जांच कर रही है। पुलिस ने उस कमरे की भी तलाशी ली जहां लड़की ठहरी थी। कमरे में शराब की बोतल मिली है। होटल में पूजा के अलावा और 3 लड़कियां भी थी। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। डाक्टरों के अनुसार युवती की स्थिति गंभीर बनी हुई है। युवती के घरवालों को सूचना दे दी गई है। पुलिस का कहना है कि युवती के होश में आने के बाद उसका बयान लिया जाएगा। पुलिस ने होटल में लगे सीसीटीवी का फुटेज खंगाला है। फुटेज में कोई गड़बड़ी नहीं दिखाई दिया। फुटेज में देखा गया कि युवती अकेले छत पर जा रही है।

घटनास्थल पर पहुंचकर जांच करते हटिया डीएसपी व अरगोड़ा पुलिस ● फोटोन न्यूज

फॉरेस्ट गार्ड नियुक्ति मामले में HC ने प्रार्थी को मेरिट के अनुसार वरीयता और अन्य लाभ देने का दिया निर्देश

SPECIAL REPORTER RANCHI : फॉरेस्ट गार्ड नियुक्ति मामले में मेरिट के अनुसार अन्य सफल अभ्यर्थियों की नियुक्ति की तिथि के अनुसार वरिष्ठता सूची में स्थान देने एवं अन्य वेतन वृद्धि सहित सुविधा देने का आग्रह करने वाली याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति डॉ एसएन पाठक की कोर्ट ने प्रार्थी की याचिका को स्वीकार करते हुए उसे अन्य सफल अभ्यर्थियों की नियुक्ति की तिथि के अनुसार ही प्रार्थी को भी उसके मेरिट के अनुसार वरीयता देने का निर्देश दिया है। दरअसल, फॉरेस्ट गार्ड की नियुक्ति को लेकर वर्ष 2014 में 2204 पदों के लिए विज्ञापन संख्या 3 /2014 झारखंड स्टाफ सिलेक्शन कमीशन (जेएसएससी) ने निकाला था।

झारखंड हाईकोर्ट

प्रार्थी के उक्त परीक्षा में सफल होने के बाद बावजूद भी उसे तकनीकी कारणों से नियुक्ति नहीं मिल सकी थी। जिसके बाद उसने वर्ष 2018 में हाई कोर्ट में रिट याचिका दाखिल की थी। 10 सितंबर 2018 को हाईकोर्ट ने प्रार्थी के नाम पर नियुक्ति पत्र जारी करने का आदेश पारित किया था। इसके 9 माह बाद प्रार्थी को नियुक्त किया गया और उसे पदस्थापित किया गया। लेकिन वर्ष 2019 में प्रार्थी को वरीयता सूची में उसके मेरिट के अनुसार प्राथमिकता नहीं दी गई। वरीयता में मेरिट की बजाए उसे नीचे के क्रमांक में स्थान दिया गया। जिसके बाद प्रार्थी ने वन विभाग के संबंधित पदाधिकारी के पास आवेदन दिया, लेकिन कुछ नहीं हुआ। प्राथमिकता सूची में मेरिट के अनुसार सही स्थान नहीं मिलने से वेतन वृद्धि सहित अन्य सुविधाओं से वंचित रहे जिसके बाद प्रार्थी ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने कोर्ट को बताया कि प्रार्थी की नियुक्ति में देरी का कारण राज्य सरकार एवं जेएसएससी था, इसमें प्रार्थी की कोई गलती नहीं है। जेएसएससी एवं राज्य सरकार के कारण प्रार्थी को 2 साल से ज्यादा समय बाद नियुक्त किया गया। इसीलिए मेरिट के अनुसार उसे भी अन्य सफल अभ्यर्थियों की नियुक्ति की तिथि से वरीयता में स्थान मिलना चाहिए। साथ ही उन्हें वेतन वृद्धि सहित अन्य सुविधा भुगतान किया जाना चाहिए। प्रार्थी किसलय हेंब्रम ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

लोकल फॉल्ट व ओवरलोड के कारण हो रही बिजली कटौती, उपभोक्ताओं की बढ़ी समस्या

अधिक लोड के कारण बार-बार फ्यूज हो रहा है ट्रांसफॉर्मर

PHOTON NEWS RANCHI : बढ़ती गर्मी के साथ ही लोगों को बिजली व्यवस्था रूला रही है। एक तो तेज गर्मी ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। वहीं, बार-बार बिजली कटौती लोगों को पानी से लेकर एसी, कूलर, पंखा, फ्रीज जैसे जरूरी उपकरण चलाने में परेशानी हो रही है। हालांकि बिजली वितरण निगम का दावा है कि बिजली की कहीं कोई समस्या नहीं है। लोकल फॉल्ट के कारण अलग-अलग इलाकों में बिजली काटी जा रही है। बिजली काटने की प्रमुख वजह ग्रिड और ट्रांसफॉर्मर में अधिक लोड पड़ना है। जिससे बार-बार बिजली वितरण सिस्टम में फॉल्ट की समस्या आ रही है। वहीं, कुछ इलाकों में लोड अधिक बढ़ने से समय-समय पर शटडाउन कर पावर सिस्टम को सामान्य किया जाता है। बता दें गर्मी के साथ ही राज्य के साथ साथ राजधानी में भी बिजली की मांग बढ़ गयी है। जहां राज्य में बिजली की मांग 2600 मेगावाट तक बढ़ गयी है। वहीं, राजधानी में बिजली की औसत मांग 300 मेगावाट तक पहुंच गयी है। जबकि वितरण निगम का दावा है कि यहां 315 मेगावाट तक बिजली की आपूर्ति की जा रही है। वर्तमान समय में सबसे अधिक समस्या ट्रांसफार्मर फ्यूज होने और लोकल लोड के कारण शटडाउन करने से हो रही है।

निश्चित अंतराल में काटी जा रही बिजली

राजधानी में बिजली कटौती का आलम ये है कि कुछ इलाकों में एक एक घंटे के अंतराल में बिजली दी जा रही है। कुछ इलाकों में सुबह या शाम के वक्त कटौती की जा रही है। निगम की मानें तो राजधानी में बिजली संकट से निपटने के लिये नामकुम पावर ग्रिड में 500 एमवीए का पावर ट्रांसफॉर्मर लगाया जा रहा है। यहां काम लगभग पूरा है। बता दें गर्मी शुरू होने के पहले से ही राज्य में बिजली कटौती को लेकर उर्जा सचिव ने निर्देश जारी किया था। जिसमें कहा गया था कि अनावश्यक बिजली की कटौती किसी भी क्षेत्र में न की जायें। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बराबर बिजली आपूर्ति की जायें।

एसटी-एससी आयोग से कांके थानेदार की शिकायत

विधायक समरी लाल की पत्नी ने लगाए गंभीर आरोप

CRIME REPORTER RANCHI : कांके से बीजेपी के विधायक समरी लाल की पत्नी अनीता देवी ने कांके थाना प्रभारी की शिकायत राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष के समक्ष की है। कहा है कि कांके थाना प्रभारी आभास कुमार ने दुर्भावना एवं द्वेषपूर्ण भावना से ग्रसित होकर जाति सूचक शब्दों का प्रयोग कर उन्हें सार्वजनिक रूप से अपमानित किया है। अनीता देवी के मुताबिक, 10 मई को रोजमर्रा की तरह मैं झुंझुन जिले (राजस्थान) के उप स्वास्थ्य केंद्र पर कार्य कर रही थी। इसी दौरान कांके थाना प्रभारी आभास कुमार स्थानीय पुलिस के साथ आए और मुझसे जानना चाहा कि मैं समरी लाल की पत्नी हूं अथवा नहीं। इंस्पेक्टर आभास कुमार ने डॉक्टरों, नर्सों एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी व मरीजों के बीच मुझे कहा कि तुम्हारे पति ने रांची में रखैल रखे हैं, जिसके दो-तीन नाजायज औलाद भी हैं। वैसे भी तुम्हारी जाति भंगियों में ऐसी आम बात है। मैंने इसका खंडन करते हुए कहा कि मुझे अपने पति पर पूर्ण विश्वास है कि वे वैसे नहीं हैं। फिर उन्होंने कहा कि लगता है तुम्ही दूसरी वाली है, इसलिए झारखंड में नहीं रहती हो। उन्होंने ये भी कहा कि तुम ससुराल छोड़ कर आखिर मायके में क्यों रहती हो। मैंने जबाब दिया कि उनकी विधायकी 5 वर्ष की है, मैं अपनी नौकरी के चलते मायके में रहती हूं। फिर उन्होंने कहा कि तुम अपने पति से कहो कि भंगी नीच जाति का विधायक बन गया है, वह विधायकी छोड़ दे।

BAU : मौसम परिवर्तन अनुकूल कम लागत वाली तकनीकी विकास पर जोर

PHOTON NEWS RANCHI : बिरसा कृषि विश्वविद्यालय की 43वीं खरीफ अनुसंधान परिषद् की बैठक में विशेषज्ञों ने मौसम परिवर्तन अनुकूल कम लागत वाली तकनीकी विकास पर जोर दिया। बैठक के दूसरे दिन भी तकनीकी सत्र में कृषि संकाय के विभिन्न विभागों के वैज्ञानिकों ने खरीफ शोध कार्यक्रमों की उपलब्धियों एवं आगामी शोध कार्यक्रमों को पेश किया। कृषि विशेषज्ञ डॉ एचएस गुप्ता ने फसल किस्मों के विकास में न्यूनतम 3 वर्षों तक मल्टी लोकेशन ट्रायल करने, उत्कृष्ट उन्नत फसल किस्मों के जर्मप्लाज्म को संरक्षित रखने, राज्य के अनुकूल शोध परियोजना कार्यक्रमों को प्राथमिकता देने, सोयाबीन प्रसंस्करण संयंत्र को सशक्त करने, बहुफसलों के विपणन को प्रोत्साहित करने और पोर्टेबल तेल मिल को लोकप्रिय बनाने की आवश्यकता जताया। परिषद् के अध्यक्ष कुलपति डॉ ओंकार नाथ सिंह ने झारखंड में मिलेट्स फसल अधीन रागी एवं बाजरा के शोध को विशेष को बढ़ावा देने, कृषि यंत्रीकरण को प्रोत्साहित कर खेती का रकबा एवं उत्पादन में वृद्धि, महिला कृषक फ्रेंडली अधिकाधिक टूल्स एवं कृषि यंत्र का विकास, दुमका में आम, लीची एवं अमरूद के अनुसंधान को सशक्त करने और अमरुद के थाई किस्म को बढ़ावा पर जोर दिया। भारतीय कृषि जैवप्रौद्योगिकी संस्थान, रांची के निदेशक डॉ सुजय रक्षित ने वैज्ञानिकों द्वारा प्रस्तुत कृषि जैवप्रौद्योगिकी अनुसंधान कार्यों की समीक्षा की।

बीएयू के 43वीं खरीफ अनुसंधान परिषद् की बैठक में शामिल अधिकारी।

जमीन विवाद को लेकर पुत्र ने की थी पिता की हत्या

कुदाल का बेट और खून लगा हुआ गमछा बरामद

CRIME REPORTER RANCHI : जमीन विवाद में पुत्र ने पिता की कुदाल के लकड़ी के बेट से मारकर हत्या कर दी थी। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पुत्र बुधु उरांव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इसके निशानदेही पर पुलिस ने कुदाल का बेट और खून लगा हुआ गमछा बरामद किया है।

ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने प्रेस कांफ्रेंस में सोमवार को हत्या का खुलासा करते हुए बताया कि 21 मई को ईटकी थाना क्षेत्र के मलती गांव में अंगना उरांव की हत्या की प्राथमिकी दर्ज करायी गयी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए बेड़ो डीएसपी मणिक बाखला के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। अनुसंधान और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए बताया कि पूर्व से उसका उसके पिता में जमीन विवाद चल रहा था। जमीन विवाद की वजह से ही उसने अपने पिता की हत्या कर दी।

प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी देते ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ● फोटोन न्यूज

10 साल में फामेर्सी कॉलेज प्रबंधन ने 50 बार से अधिक मानदेय बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य विभाग व सरकार को लिखा है पत्र

अंधकार में भविष्य: राजकीय PHARMACY के लिए 12 पद स्वीकृत

PHOTON NEWS RANCHI : राजकीय फामेर्सी कॉलेज में पढ़ रहे स्टूडेंट्स का भविष्य अंधकारमय है। ऐसा इसलिए क्योंकि यहां स्वीकृत पद की तुलना में आधे भी टीचिंग स्टाफ नहीं हैं। स्वास्थ्य विभाग ने 8 पद सृजित किए हैं। इसमें 1 प्राध्यापक, 4 लेक्चरर, 1 कार्यालय अधीक्षक व 2 लैब टेक्नीशियन हैं। जबकि नॉन टीचिंग में कंप्यूटर ऑपरेटर 1, मोटरयान चालक 1, माली और सफाईकर्मी के 1-1 पद हैं। नॉन टीचिंग के पद को आउटसोर्स से

भरा जाना है। जबकि फामेर्सी कॉलेज में वर्तमान में 1 प्राध्यापक और 3 लेक्चरर की कार्यरत हैं। न ही यहां कार्यालय अधीक्षक और न ही लैब टेक्नीशियन हैं। ऐसे में हर साल यहां 60 स्टूडेंट डिप्लोमा में नामांकन कराते हैं। पढ़ाई नहीं होने के कारण रिजल्ट में इसका असर दिखता है। पिछले कुछ सालों से पेपर लीक के कारण स्टूडेंट्स अच्छे नंबर से पास हो जाते थे, लेकिन 2023 में आए परिणाम ने पोल खोल दी। दो-तीन स्टूडेंट्स भी पास नहीं हो सके। इससे पूर्व कई बार ऐसी भी शिकायत मिलती रही है कि स्टूडेंट्स अपनी उत्तर पुस्तिका में हनुमान चालीसा और गाने लिख डाले थे, कईयों की कॉपी में तीन-चार अलग-अलग हैंडराइटिंग थे।

10 साल पहले ही पीसीआई ने बढ़ाया मानदेय, झारखंड में अबतक पुराना मानदेय ही मिल रहा

झारखंड फामेर्सी कॉलेज की सरकार भी पूरी तरह अनदेखी कर रही है। क्योंकि यहां स्टाफ कम हैं, इसलिए सरकार व विभाग ध्यान नहीं दे रहे। 10 साल पहले फामेर्सी काउंसिल ऑफ इंडिया ने देश भर में मानदेय निर्धारित की थी। निर्धारित मानदेय के अनुसार, प्रोफेसर रैंक को 37600-67000 पे-लेवल पर 10 हजार ग्रेड पे दिया जाना है। जबकि लेक्चरर को 9300-34800 में 6000 ग्रेड पे मिलना है। वहीं, झारखंड में प्राध्यापक को 15600-39100 में 6600 ग्रेड पे दिया जा रहा है। लेक्चरर को 5400 ग्रेड पे मिलेगा।

10 साल में 50 से अधिक बार कर चुके हैं पत्राचार

राजकीय फामेर्सी कॉलेज प्रबंधन द्वारा पिछले 10 साल में वेतनमान बढ़ाने के लिए 50 बार से ज्यादा पत्राचार किया जा चुका है। बावजूद न ही सरकार रुचि ले रही है और ना ही स्वास्थ्य विभाग। थक हार कर अब कोर्ट का सहारा लिया गया है। बताते चले कि फामेर्सी काउंसिल के गजट ऑफ इंडिया 2014 और 2020 में स्पष्ट लिखा है कि शिक्षण कर्मियों का वेतनमान समान श्रेणी के पदों के लिए राज्य सरकार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग या अखिल भारतीय तकनीक शिक्षा परिषद द्वारा निर्धारित वेतनमान से कम नहीं होगा।

ईंट भट्ठे पर रंगदारी मांगने वाला अपराधी संगठन JKM का सदस्य हुआ गिरफ्तार

PHOTON NEWS PALAMU

पलामू जिले के तरहसी, थाना क्षेत्र के पतरा में अमानत नदी तट पर स्थित ईट भट्टे के व्यवसायी से लेवी-रंगदारी मांगने के आरोप में अपराधी संगठन झारखंड क्रांति मोर्चा (जेकेएम) के एक सदस्य को गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से लेवी के रूप में वसूले गए 3000 रुपये, लेवी मांगने में इस्तेमाल मोबाइल फोन और झारखंड क्रांति मोर्चा का पर्चा बरामद किया गया है।

गिरफ्तार अपराधी व जानकारी देती पुलिस। ● द फोटोन न्यूज

लेस्लीगंज के एसडीपीओ आलोक टूटी ने सोमवार को पत्रकारों को बताया कि 13 मई को चार की संख्या में अपराधियों ने तरहसी थाना क्षेत्र के पतरा में अमानत नदी किनारे संतोष कुमार और इस्लाहुल हक के ईट भट्टे पर लेवी की मांग की थी और मौके से मुंशी से मालिक का मोबाइल नंबर मांग कर ले गए थे। उसके बाद से लेवी की मांग लगातार की जा रही थी। पुनः 20 मई की रात में अपराधियों का ग्रुप उसी ईट भट्टे पर पहुंचा था और पर्चा देकर मुंशी से 11500 छीन लिया था।

मामले में कार्रवाई की गई और लेवी मांगने की घटना में शामिल एक अपराधी सत्येंद्र सिंह को गिरफ्तार किया गया। उसे बनई जंगल से गिरफ्तार किया गया। वह पांकी थाना क्षेत्र के भंवरदह का रहने वाला है। एसडीपीओ ने बताया कि इस घटना में शामिल अन्य आरोपितों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

महिला से दुष्कर्म के आरोप में कौड़िया मुखिया के देवर को पुलिस ने भेजा न्यायिक हिरासत में

PHOTON NEWS PALAMU

पलामू जिला मुख्यालय मेदिनीनगर सदर थाना क्षेत्र के जोरकट से कौड़िया पंचायत की मुखिया कुमारी अंजना देवी के देवर सत्येंद्र सिंह पिता फौजदारी सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सोमवार को उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पुलिस हिरासत में आरोपी सत्येंद्र सिंह। ● द फोटोन न्यूज

बताते चलें कि गत 16 मई को सत्येंद्र सिंह ने जोरकट इलाके में एक 26 वर्षीय महिला के साथ दुष्कर्म किया था। 2 दिनों तक मामले को पंचायत के माध्यम से दबाकर रखा गया था। बाद में महिला के द्वारा तीसरे दिन सदर थाना में मामला दर्ज कराया गया था।

मामला दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार चल रहा था। सदर थाना प्रभारी गौतम कुमार ने सोमवार को जानकारी दी कि कांड संख्या 54/23 दिनांक 19/5/23 धारा 376 भा.द.वि में प्राथमिकी अभियुक्त सत्येंद्र सिंह पिता फौजदारी सिंह को गिरफ्तार किया गया और न्यायिक हिरासत में भेजा गया। उन्होंने बताया कि मामले में अनुसंधान किया जा रहा है।

अपनी समस्याओं को लेकर विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव से मिले टाना भगत

PHOTON NEWS LOHARDAGA

लोहरदगा के टाना भगतों ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यालय में सोमवार को अपनी समस्याओं को प्राधिकार के सचिव के समक्ष रखा। प्राधिकार के सचिव ने टाना भक्तों को उनके जमीन संबंधित बातों को ध्यान से सुना और उचित विधिक सहायता प्रदान की।

विधिक सेवा प्राधि के सचिव से वार्ता करते टाना भगत। ● द फोटोन न्यूज

इसके साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव राजेश कुमार ने मध्यस्थ युगल किशोर प्रसाद के सहयोग से जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा चलाए जा रहे हैं। विभिन्न कार्यों की जानकारी टाना भगतों के बीच दी और यह अपील की कि वे अपने-अपने गांव में जाकर डालसा की ओर से किए जा रहे कार्यों का प्रचार प्रसार करें, ताकि ग्रामीण लोगों को इसका ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल सके।

टाना भगतों को यह भी बतलाया गया कि डालसा द्वारा वैसे लोगों को सहयोग किया जाता है जिनका वार्षिक आय 300000 से कम है। ऐसे लोगों को सरकारी खर्च पर वकील मुहैया कराती है, उनके कोर्ट फीस का भुगतान करती है, उनके कागजातों को तैयार करने के लिए वकील का खर्चा देती है। निःशुल्क दस्तावेजों की प्रमाणित प्रति भी दिलाती है। उन्होंने कहा कि पीड़ित प्रतिकर योजना के तहत मुआवजा राशि का निर्धारण भी किया जाता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकार लोगों को निःशुल्क विधिक सेवा प्रदान करती है, जिनमें शामिल हैं- अनुसूचित जाति एवं जनजाति के सदस्य, मानव तस्करी के शिकार लोग, ऐसे लोग जिनसे बेगार कराई जाती है, महिलाएं एवं बच्चे, दिव्यांग व्यक्ति, जातीय हिंसा से पीड़ित, बाढ़-सुखाड़ व भूकंप से पीड़ित, औद्योगिक श्रमिक, कारागार में बंद कैदी, किशोर आदि।

मध्यस्थता द्वारा विवादों को सुलझाने का प्रयास भी डालसा की ओर से किया जाता है। इस संबंध में टाना भगतों को बताया गया कि 29 मई से लेकर 14 जून तक "मन का मिलन" पखवाड़े का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकार, लोहरदगा द्वारा किया जा रहा है, जिसमें डालसा की ओर से जागरूकता कार्यक्रम किया जाएगा। परामर्श की सेवाएं दी जाएगी।

झारखंड सरकार के पूर्व आप्त सचिव के माता-पिता के हत्यारे को उम्रकैद

PHOTON NEWS PALAMU

पलामू जिला व्यवहार न्यायालय के प्रथम जिला और अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रथम सन्तोष कुमार की अदालत ने सोमवार को झारखंड सरकार के पूर्व आप्त सचिव अरविंद कुमार के माता-पिता के हत्यारे शिवम पाण्डेय को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। शिवम पांडे को अदालत ने 50 हजार का अर्थदंड भी लगाया हैं। अर्थदंड की राशि जमा नहीं करने पर दोषी को दो साल अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी। शिवम पांडेय कुंड मोहल्ला, डालटनगंज का निवासी है।

इस मामले में पलामू आइपीआरडीकर्मी और पूर्व आप्त सचिव अरविंद कुमार के बड़े भाई अरूण कुमार ने 12 अगस्त 2021 को शहर थाना में अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी।अरूण के पिता एक्स आर्मी मैन राजेश्वर नाम (82) तथा उनकी मां शर्मिला देवी (75) की तेज धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। वृद्ध दंपति अकेले रहते थे। घटना की जानकारी मिलने पर अरूण के छोटे भाई अरविंद ने रांची से इसकी सूचना अरूण को दी थी।

घटना की सूचना मिलने पर अरूण जब अपने पैतृक आवास कुंड मोहल्ला घर पर आए तो देखा कि उनके पिता राजेश्वर राम की और माता शर्मिला देवी मृत पड़ी थी। पुलिस अनुसंधान, सीसीटीवी कैमरे तथा फॉरेंसिक जांच की टीम के निष्कर्ष के तत्पश्चात आरोपी शिवम पांडेय को गिरफ्तार किया गया था। अदालत ने साक्ष्य के आधार पर दोषी पाते हुए अभियुक्त को उम्रकैद की सजा सुनाई है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का सौंदर्यीकरण एवं जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण

मांडू के विधायक एवं रामगढ़ की डीसी माधवी मिश्रा ने किया केंद्र का उद्घाटन

PHOTON NEWS RAMGARH

रामगढ़ जिला अंतर्गत मांडू प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में विभिन्न विकास कार्यों, केंद्र के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण कार्यों को लेकर टाटा स्टील फाउंडेशन एवं जिला प्रशासन, रामगढ़ के बीच 6 दिसंबर 2022 को एमओयू किया गया था। इसी क्रम में कार्य पूर्ण होने के उपरांत सोमवार को माननीय विधायक मांडू विधानसभा क्षेत्र श्री जयप्रकाश भाई पटेल एवं उपायुक्त, रामगढ़ सुश्री माधवी मिश्रा के द्वारा केंद्र का उद्घाटन किया गया।

केंद्र का उद्घाटन करते विधायक जयप्रकाश भाई पटेल व डीसी माधवी मिश्रा। ● द फोटोन न्यूज

इस दौरान माननीय विधायक एवं उपायुक्त ने केंद्र में किए गए विकास कार्यों एवं उपलब्ध कराए गए आधुनिक स्वास्थ्य उपकरणों का जायजा लिया। मौके पर उन्होंने ओपीडी वेटिंग एरिया, सोलर आधारित विद्युत सेवा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के ओटी कक्ष, लेबर कक्ष, एमटीसी केंद्र आदि में उपलब्ध कराए गए विभिन्न उपकरणों का निरीक्षण करते हुए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, मांडू सहित अन्य अधिकारियों को केंद्र के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा जरूरतमंद मरीजों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया वही माननीय विधायक एवं उपायुक्त के द्वारा सभी प्रखंड वासियों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होने की शुभकामनाएं दी गई।

इस दौरान सिविल सर्जन, प्रखंड विकास पदाधिकारी मांडू, अंचल अधिकारी मांडू, महाप्रबंधक टाटा स्टील वेस्ट बोकारो श्री अनुराग दिक्षित, चीफ कैपेसिटी एन्हांसमेंट प्रोजेक्ट वेस्ट बोकारो टाटा स्टील श्री राजेश कुमार, टाटा स्टील फाउंडेशन से श्री केशव रंजन सहित अन्य उपस्थित थे।

जनसेवकों की 14वें दिन भी अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी

PHOTON NEWS RAMGARH

जनसेवक अपने आत्म सम्मान की रक्षा हेतु कमर कस कर मैदान में है, पिछले 14 दिनों से लगातार हड़ताल पर है। चिलचिलाती धूप भी उनका जोश कम नही कर पा रहा है। विदित हो कि जनसेवक कृषि के साथ साथ सरकार के अन्यान्य विभागों के कार्य भी करते हैं, यहां तक कि कई पर्यवेक्षक का कार्य जनसेवकों के भरोसे चल रहा है। ऐसा कर्मी और पदाधिकारियों की कमी की स्थिति में भी सरकार का सम्मान बचाए रखने के लिए जनसेवकों के द्वारा सहज सहयोग के रूप में किया जाता रहा। ऐसा नहीं है कि जनसेवक को अतिरिक्त कार्य के लिए कोई अलग से मानदेय प्राप्त होता है, उल्टे सरकार की बहुत बड़ी राशि इस तरीके से बच जाती है।

अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे जनसेवक। ● द फोटोन न्यूज

जनसेवक अपने 10 वर्ष की नियमित सेवा के उपरांत इस आस में था कि उन्हे इस एवज में उचित सम्मान मिलेगा, परंतु अपने ही कृषि विभाग के द्वारा छल पूर्वक ग्रेड पे कम कर जनसेवकों के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाने का कार्य किया गया जिससे जनसेवक आक्रोशित है, और अपने सभी पुराने लंबित 11 सूत्री मांगों को लेकर पिछले 14 दिनों से लगातार हड़ताल पर है।

हड़ताल पर बैठे जनसेवकों ने बताया कि लोकतंत्र में अपनी बातों को संवैधानिक तरीके से रखने और सरकार को अपनी मांगों की ओर ध्यान आकृष्ट कराने के लिए धरना एक अच्छा माध्यम है, परंतु धरना हेतु एक अच्छा छायादार और ताजी हवा युक्त स्थान का सर्वथा अभाव है। ऐसे में उचित स्थान देखकर एक बरगद या नीम जैसे पौधे लगाया जाए जिससे नियमित रूप से सिंचाई कर हड़ताली वृक्ष के रूप में विकसित की जाए जिसमे भविष्य में कर्मी/जनता हड़ताल के अवसर पर धरना हेतु निश्चिंत होकर बैठ सके। इस पौधारोपण हेतु कल का दिन भी तय कर लिया गया है।

आज धरना में लोकेश कुमार, अजीत कुमार गुप्ता, उमेश कुमार, जितेंद्र प्रसाद, ज्ञानी प्रताप भारती, त्रिलोकी नाथ महतो, बिमल कुमार बेदिया, विकास कुमार, विकास प्रसाद, विनीता सिंह, संजीव करमाली, आलोक मित्रा, छत्रधारी महतो, पंकज कुमार, परमानंद कुमार, रविन्द्र कुमार महतो आदि शामिल रहें।

KURSE गांव में धूमधाम से संपन्न हुई मंडा पूजा, हजारो ग्रामीणों की उमड़ी भीड

175 भोक्ताओं ने दहकते अंगारों पर नंगे पाव चल आस्था का दिया परिचय

PHOTON NEWS RAMGARH

कुरसे गांव में प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी सोमवार को मंडा पूजा श्रद्धा व भक्तिभाव के साथ मंदिर परिसर में मनाया गया। इस दौरान रविवार रात्रि श्रद्धालुओं ने लोटन सेवा, फुलखुंदी, मच्छर गोथा, बनस पर झूला शिवभकतों ने अपने आस्था का परिचय दिया। वहीं पुरूलिया और पाली के छऊ नृत्य के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से लोगों को खूब आकर्षित किया।

दहकते अंगारों पर चलते शिवभक्त। ● द फोटोन न्यूज

इधर मंडा पूजा और मेला में स्थानीय विधायक अंबा प्रसाद, झामुमो केंद्रीय सचिव संजीव बेदिया, आजसू केंद्रीय महासचिव रोशनलाल चौधरी, पूर्व जिप उपाध्यक्ष मनोज राम, मुखिया विजय मुंडा आदि उपस्थित थे। वहीं पुरुलिया और पाली के छाऊ नृत्य कलाकारों ने देवी देवताओं से जुड़े नृत्य प्रस्तुत कर रातभर लोगों को मंत्र मुग्ध किया।

रविवार की रात्रि 175 भोक्ता और 225 सोकताएनो ने नदी से स्नान ध्यान कर पवित्र जल भरकर मंडा स्थल पहुंचे। जहाँ विधि-विधान से सत्यनरायण गोसाईं, सहदेव ठाकुर, हनुमान चटिया संतोष बेदिया, प्रदीप तुरी, विश्वनाथ मुंडा, छोटू भगत सहित अन्य लोगो ने पूजा अर्चना कराई। वहीं शिव भक्तों ने दहकते अंगारो पर नंगे पांव चलकर अपने अटूट आस्था का परिचय दिया। इसके बाद नुकीले कांटेदार कील को शरीर में चुभोकर भोक्ताओं ने बनस झूला झूल कर अपनी शिवभक्ति व आस्था का परिचय दिया। और गांव की सुख-समृद्धि की भगवान शिव व माता पार्वती से कामना की।

पूजा को लेकर भव्य मेले का आयोजन हुआ। जहां झारखंड के विभिन्न जिला और आसपास के दर्जनों ग्रामीण क्षेत्र लोग मेला और छाऊ नृत्य का भरपूर आनंद उठाएं। मंडा पूजा को सफल बनाने में पूजा कमेटी अध्यक्ष कमलनाथ मुंडा, कार्यकारी अध्यक्ष संतोष यादव, फुलेश्वर राम, गणेश बेदिया, सचिव जनार्दन मुंडा, कोषाध्यक्ष वीरेंद्र यादव, रविंद्र बेदिया संरक्षक मुखिया संदीप उरांव, पंसस कार्तिक मुंडा, उप मुखिया अजय तुरी, गिरधारी गोप, धनेश्वर यादव, जगन्नाथ मुंडा, गोपाल करमाली, प्रभु तुरी, धनेश्वर यादव, विकास यादव, समबीर सिंह, तुनेश प्रजापति, मुखलाल सिंह, रामदास बेदिया, पंकज सिंह, मोती बेदिया, अर्जुन बेदिया, मिहिलाल बेदिया, राणा प्रताप सिंह, राज कपूर सिंह, राजकुमार साहू, राजेंद्र तुरी, जयलाल सिंह, दिनेश सिंह, महेश सिंह, चंद्रन्नाथ तुरी, सुरेश प्रजापति, जयदेव सिंह, टिंकू प्रजापति, कैलाश तुरी आदि का विशेष योगदान रहा।

BRIEF NEWS

आम लदा वाहन पलटा, आम लूटने की मची होड़

HAZARIBAGH : हजारीबाग बगोदर मार्ग के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के हुटपा में सोमवार को एनएच -522 पर सोमवार को आम लदा एक टाटा बोलेरो मैजिक वाहन पलट गया। वाहन के पलटने से वाहन में रखा आम रास्ते मे बिखर गया, जिसे लूटने के लिए बड़े पैमाने पर ग्रामीण दौड पड़े। इसके हाथ जितना आया वह लेकर चला गया। हालांकि इस दौरान कई लोगों ने आम को सुरक्षित रखने का भी प्रयास किया। वाहन मालदा बंगाल से आम लेकर हजारीबाग आ रहा था तभी चालक को हुटपा चौक के पास झपकी आ गयी और वाहन पलट गया। इस दुर्घटना में चालक को कहीं चोट नही आई और वह पूरी तरह सुरक्षित है। इस घटना के बाद मुफ्फसिल थाना पुलिस पहुंची और क्रेन की सहायता से वाहन को सीधा कर ले गई जबकि आम को दूसरे वाहन से मंडी पहुंचा दिया गया।

पलामू सिविल सर्जन की इकलौती पुत्री की मौत

PALAMU : जिले के मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी (सिविल सर्जन) डा. अशोक कुमार (32) की पुत्री अमृता सुरभि की मौत हो गई। अगले महीने 22 जून को उसकी शादी होने वाली थी। दोपहर में शव का अंतिम संस्कार राजा हरिश्चन्द्र घाट कोयल नदी तट पर किया गया। अंतिम संस्कार में कई चिकित्सक, चिकित्साकर्मी एवं गण्मान्य लोग शामिल हुए। बताया जाता है कि सिविल सर्जन डा. अशोक की पुत्री अमृता सुरभि को सोमवार की सुबह अचानक पेट दर्द हुआ और फिर शौच होने लगा। घर पर कुछ दवा दी गई, लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ तो आनन फानन में उसे इलाज के लिए एमआरएमसीएच में ले जाया गया। यहां करीब 10 मिनट बाद डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजन तत्काल शव को जेलहाता स्थित आवास पर ले आए। 11 बजे के आसपास अंतिम संस्कार के लिए शव यात्रा निकली और पहाड़ी स्थित राजा हरिश्चन्द्र घाट कोयल नदी तट पर ले जाया गया। अंतिम यात्रा में गढ़वा के सिविल सर्जन डा. अनिल कुमार सिंह, डा. अंशुमन सागर, डा. हरिओम, डा. सतीश कुमार, डा. आरके रंजन के अलावा धन्नजय त्रिपाठी, बृजेश शुक्ला, डीपीएम दीपक कुमार के साथ साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के कई चिकित्सा पदाधिकारी शामिल रहे। सिविल सर्जन की पुत्री अमृता की गत पांच मई को सगाई हुई थी। एमबीबीएस की छात्रा थी। अमृता एक भाई और एक बहन होती थी और छोटी थी। भाई ऋषभ कुमार रिम्स में कार्यरत है। घटना के बाद से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। शादी की खुशियां गम में बदल गई है।

उपायुक्त ने सुनी जनता की समस्याएं जल्द निष्पादन हेतु अधिकारियों को दिए निर्देश

RAMGARH : सोमवार को उपायुक्त रामगढ़ सुश्री माधवी मिश्रा ने अपने कार्यालय कक्ष में जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्रों से अपनी समस्याओं को लेकर उनसे मिलने आए लोगों से मुलाकात की। इस दौरान लोगों ने भूमि, रोजगार, विकास कार्यों, विद्युत, प्रदूषण, ऋण, पेयजल, विभिन्न योजनाओं के लाभ सहित अपनी विभिन्न समस्याओं से उपायुक्त को अवगत कराया जिसके उपरांत उपायुक्त ने मामलों के निष्पादन हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

आईपीएल प्लांट के इंटेक वेल में कार्यरत मजदूर का ड्यूटी के दौरान हुआ आकस्मिक निधन

RAMGARH : दुलमी प्रखंड के उरबा गांव निवासी राजेश महतो 40 वर्ष जो आईपीएल प्लांट में इंटेक वेल में कार्यरत मजदूर था जिसका रात्री में ड्यूटी के दौरान आकस्मिक निधन हो गया। जानकारी मिलते ही रामगढ़ विधानसभा के पुर्व प्रत्याशी बजरंग महतो सामूदायिक स्वास्थ केंद्र गोला पहुंचे और डॉक्टर से बात कर पोस्टमार्टम के लिए रामगढ़ भेजा। साथ ही परिजनों से मिलकर दुःख की घड़ी में ढांढस बंधाया और मुवावजा दिलाने की बात कही।

गोला प्रखंड के डभातू कोचलाटाड मे किया गया ट्रांसफार्मर का उद्घाटन

RAMGARH : गोला प्रखंड के डभातू कोचलाटाड मे ट्रांसफार्मर का उद्घाटन रामगढ़ विधायक श्रीमती सुनीता चौधरी के दिशा निर्देश अनुसार गोला पार्षद श्री जलेश्वर महतो एवं आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य अशोक कुमार द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। पिछले दिनों ट्रांसफार्मर खराब हो गया था जिसे ग्रामीण बहुत परेशान थे। ग्रामीण खराब ट्रांसफॉर्मर की समस्या विधायक के पास रखे। इस पर विधायक महोदय ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विभाग से 24 घंटों के अंदर नया 100 केबी का ट्रांसफार्मर डभातू ग्राम में देने का काम किया। इसे ग्रामीण विधायक के प्रति हर्षित है तथा आने वाले दिनों में हर सुख दुख की समस्या में ग्रामीण विधायक जी के साथ रहने की बात कही। इस अवसर पर आजसू पार्टी के कार्यालय प्रभारी दीनू गोस्वामी महेंद्र प्रसाद भाजपा के कृष्णा गोस्वामी पुनाराम महतो गंगा साव शशि भूषण सतीश गोस्वामी पवन गोस्वामी सुरेंद्र प्रसाद संतोष प्रसाद अभिषेक गोस्वामी सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय शिक्षक संघ ने छुट्टियों में कटौती का किया विरोध

RAMGARH : झारखंड के राज्यपाल सह प्रदेश के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति द्वारा राज्य के तमाम विश्वविद्यालयों की छुट्टियों में कटौती कर केवल बीस दिनों की चाय ग्रीष्म अवकाश कर दी गई है जिसका विरोध निरंतर जारी है। आज विनोबा भावे विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के आह्वान पर सभी अंगीभुत महाविद्यालयों में विरोध प्रदर्शन किया गया। इसी क्रम में रामगढ़ महाविद्यालय में भी महाविद्यालय इकाई के अध्यक्ष डॉ रणविजय सिंह देव के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया। डॉ देव ने कहा कि छुट्टियों को शिक्षकों द्वारा सदुपयोग किया जाता है आवश्यक व्यक्तिगत कार्यों के साथ गैर-शैक्षणिक कार्य किए जाते हैं। अतः महीनों पहले शिक्षकों द्वारा छुट्टियों को व्यतीत करने की योजना बना चुके थे कार्यशालाओं, समीनारों और शोध कार्यों के लिए देश-विदेश का दौरा तय हो चुका था, टिकटें आरक्षित हो चुकी थी लेकिन एकाएक छुट्टियां स्थगित होने से सबकुछ बेकार हो गया। डॉ देव ने कहा कि आदेशानुसार कक्षाएं ली जा रही है लेकिन लोकतांत्रिक तरीके से छुट्टियों में कटौती का विरोध किया जा रहा है परंतु यह सत्य है कि इस तरह के आदेश से शिक्षकों के अधिकारों का हनन होता है। आज के विरोध प्रदर्शन में महाविद्यालय इकाई के सचिव डॉ रत्ना पांडेय, डॉ सुनील कुमार अग्रवाल, डॉ राजेश कुमार उपाध्याय, डॉ सतीश कुमार , डॉ सतीश सिंह, श्री उज्ज्वल राय शामिल थे।

पीवीयूएनएल में अनुबंध श्रमिकों के लिए कौशल उन्नयन प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

RAMGARH : पीवीयूएनएल में अनुबंध श्रमिकों के लिए कौशल उन्नयन प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। पहले बैच में 30 नग आईटीआई मैकेनिकल समूह शामिल हुए। प्रशिक्षण शांतनु कुमार, डीजीएम (एमई) द्वारा प्रदान किया जाता है।

प्रशिक्षण में शामिल श्रमिक। ● द फोटोन न्यूज

यह कौशल उन्नयन कार्यक्रम अन्य समूहों के साथ-साथ इलेक्ट्रिक, वेल्डर, सीएंडआई आदि के लिए भी जारी रहेगा। कहा गया कि इस तरह के कौशल विकास कार्यक्रम वर्तमान में तेजी से बदलती दुनिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बदलती दुनिया के साथ तालमेल बिठाने के लिए स्किल्स की जरूरत होती है। बदलाव की गति इतनी तेज है कि लोगों को नौकरी के बाजार में प्रतिस्पर्धा करने और जीवन में सफल होने के लिए और अधिक कौशल की आवश्यकता है। मौके पर पुरुषोत्तम लाल, डीजीएम (एचआर) और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

बिहार से बागेश्वर धाम पहुंचा शिक्षक दर्शन के बाद लापता

चार महीने से नहीं मिला कोई सुराग

मध्य प्रदेश के छतरपुर में स्थित बाबा बागेश्वर धाम इन दिनों काफी चर्चा में हैं। देश- विदेश से लोग अपनी अर्जी लगाने इस दरबार में जाते हैं। बिहार के दरभंगा के रहने वाले ललन कुमार भी अपनी अर्जी लगाने बाबा बागेश्वर धाम पहुंचे थे। 35 साल के ललन ने बाबा बागेश्वर के दर्शन किए... फिर अचानक लापता हो गए। अब उन्हें खोजा जा रहा है, लेकिन कहीं अता-पता नहीं है। ललन सरकारी स्कूल में शिक्षक हैं और फरवरी से ही गायब हैं। वहीं, परिवार वालों का रो-रो कर बुरा हाल है। वे लोग लापता शिक्षक की फोटो लेकर दर-दर भटक रहे हैं। शिक्षक के छोटे भाई लक्ष्मण कुमार ने घोषणा की है कि ललन का पता बताने वाले को एक लाख रुपए का इनाम दिया जाएगा। लक्ष्मण पेशे से पेशे से इंजीनियर हैं। उनकी सालाना इनकम 12 लाख रुपए हैं। फिलहाल अपनी नौकरी छोड़ वह अपने भाई के तलाश में लगे हुए हैं। जिले के बहेरी थाना क्षेत्र के बघौनी गांव के रहने वाले ललन 6 फरवरी 2023 को बागेश्वर धाम पहुंचे थे, जहां से वे लापता हो गए। आज चार महीने बाद भी शिक्षक का कोई भी सुराग नहीं लगा है। मां बेटे के इंतजार में बैठी है। वो बताती हैं कि 5 फरवरी को ललन घर से निकला था। 6 फरवरी की सुबह जब वो पूजा कर के आया, तब पत्नी सविता से और मुझसे वीडियो कॉलिंग के जरिए बात हुई थी। इसके बाद अचानक से उसका फोन बंद हो गया। परिजनों ने बताया कि मध्य प्रदेश के हरदा थाने से 12 फरवरी को फोन आया था। बताया गया कि वो कुएं में गिर था, जिसे एसडीआरएफ ने रेस्क्यू कर बाहर निकाला है। उसे

हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। इसके बाद 13 फरवरी को छोटा भाई लक्ष्मण वहां पहुंचा। इसके बाद जानकारी मिली कि पुलिस को बिहार जाने की बात कह कर ललन निकल चुका है, लेकिन इसके बाद अभी तक कोई नहीं मिली। मां ने बताया कि बाबा बागेश्वर के पास दो बार उसकी पत्नी और तीन बार छोटा भाई लक्ष्मण की ओर से अर्जी लगाई गई। पटना में बहन गीता की ओर से भी अर्जी लगाई गई। इसके बावजूद भी कोई सुराग नहीं लगा। बागेश्वर बाबा ने भी जवाब दे दिया कि जब तक अर्जी नहीं लगेगी तब तक कुछ कह पाना मुश्किल है। शिक्षक के गुम होने के बाद परिजन ने 11 फरवरी 2023 को पुलिस में गुमशुदगी दर्ज करा दी। बागेश्वर धाम के महंत धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के पास भी उनके छोटे भाई लक्ष्मण (26) ने 3 बार अर्जी लगाई। यही नहीं, शिक्षक की पत्नी भी 2 बार अर्जी लगा चुकी है। लक्ष्मण का कहना है कि मैंने भाई की तलाश में जगह-जगह पोस्टर लगाए। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीर और मेरे नंबर सकुर्लेट कर दिए, जिससे किसी भी तरह से मुझे भाई का पता लग सके। ललन की शादी पास के ही बोरवा गांव के सविता कुमारी (29) से 2010 में हुई थी। उसका दो बेटा माधव रवि (10) राघव रवि (7) है। उनके पिता दिव्यांग है। परिजन बताते हैं कि 2013 में बेंगलुरु से बीएड करने के बाद 2015 में नौकरी लगी थी। परिवार में सभी खुश थे। दोनों भाई ने मिलकर घर भी बनाया। छोटे बेटे की नौकरी लगने के बाद अब उसकी शादी होनी थी, लेकिन अब दुख का पहाड़ टूट पड़ा है। दरभंगा जिले के बघौनी से शिक्षक लालन कुमार (36) 6 फरवरी को दर्शन करने बागेश्वर धाम आए थे। परिजन के मुताबिक जब वे बघौनी से निकले, तब पूरी तरह स्वस्थ थे। रोज बच्चों को पढ़ाने स्कूल जाया करते थे। बागेश्वर धाम पहुंचने के बाद सुबह 5 बजे उनकी बात पत्नी सविता कुमारी से हुई थी। शिक्षक ने पत्नी को बताया था कि बाबा के दर्शन हो चुके हैं। एक-दो दिन में घर लौट आएंगे। उसी दिन 10 बजे के बाद उनका फोन बंद हो गया। लापता शिक्षक के भाई लक्ष्मण कुमार ने बताया कि मैं एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर हूं। 12 लाख का पैकेज है। एक लाख का महीने कमाता हूं, लेकिन अब नौकरी छोड़कर पिछले चार महीने से अपने भाई की तलाश में एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन तक भटक रहा हूं। यहां तक कि मैंने पुलिस के पास भी रिपोर्ट दर्ज कराई हुई है। वहां से भी कोई सुराग नहीं लग पा रहा है।

समस्तीपुर स्टेशन को बम से उड़ाने की मिली धमकी

समस्तीपुर स्टेशन को रविवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली। यह धमकी एक कॉल के माध्यम से दी गई। जिसके बाद से रेलवे प्रशासन में हड़कंप मच गया। मामले की जानकारी मिलते ही पहुंची फ्ढक्र और ऋफ्ढ टीम द्वारा स्टेशन पर सर्च अभियान चलाया गया। हालांकि सर्च अभियान के दौरान कहीं से कोई बम नहीं मिला। इस दौरान पुलिस ने फोन करने वाले आरोपी युवक को लोकेट कर अंगार घाट थाना क्षेत्र के चैता गांव से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवक सनकी बताया जा रहा है। हालांकि पुलिस पदाधिकारी इस मुद्दे पर अभी

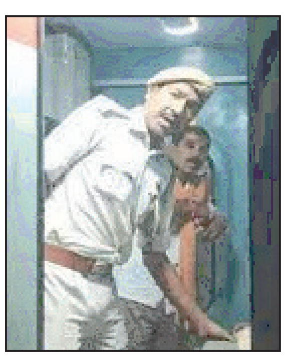

कुछ बोलने से परहेज कर रहे हैं। हिरासत में लिए गए युवक से पूछताछ की जा रही है। बता दें कि रविवार शाम चैता गांव निवासी विश्वजीत कुमार ने 112 नंबर पर फोन कर समस्तीपुर स्टेशन को उड़ाने की धमकी दी। जिसके बाद हरकत में आए जीआरपी व आरपीएफ के पदाधिकारियों ने स्टेशन पर सर्च अभियान शुरू किया।उक्त युवक के साथ ही गत सितंबर महीने में गला रेत कर जख्मी कर देने की घटना हुई थी। ऐसे में समस्तीपुर सदर अस्पताल में युवक का इलाज कई महीने तक चला था। उक्त घटना के बाद से ही युवक का व्यवहार बदल गया और वह अजीब तरह की हरकत करता रहता है।जीआरपी थाना अध्यक्ष प्रवीण कुमार ने बताया कि फोन करने वाले युवक को हिरासत में ले लिया गया है। जिससे पूछताछ की जा रही है।

भागलपुर में लकड़ी दुकान में लगी भीषण आग

भागलपुर में सोमवार सुबह लकड़ी दुकान में भीषण आग लग गई। जिसके बाद देखते ही देखते कई दुकानें जलकर राख हो गईं। चश्मदीदों ने बताया कि आग की लपटे इतनी भयानक थी की उसपर काबू पाने के लिए काफी जद्दोजहद करनी पड़ी। घटना जिले के नवगछिया अंतर्गत तेतरी दुर्गा मंदिर के पास हुई। वहां एक आरा मिल जलकर पूरी तरह से राख हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने कहा कि अहले सुबह 5 बजे के आसपास आग लगने की सूचना प्राप्त हुई । घटनास्थल पर पहुंचा तो देखा कि आग भयानक रूप ले चुके थे मौके से फायर ब्रिगेड को कॉल किया गया जिसके बाद फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी मौके पर पहुंची लेकिन वह आग पर काबू पाने में सक्षम नहीं हो सकी जिसके बाद धीरे-धीरे आग बढ़ती चली गई दूसरी तीसरी गाड़ी आने में समय लगा और तब तक लगभग 6 दुकान जलकर राख हो गए। गौरतलब हो कि इन दिनों नवगछिया इलाके में लगातार आगजनी की घटना हो रही है और बीते दिन भी आगजनी की घटना हुई जिसमें चार घर पूरी तरह से जल चुका था। वही अभी की घटना को लेकर दुकानदारों ने कहा कि लगभग करोड़ों का सामान जल चुका है। हालांकि इस समय आग पर

नियंत्रण पाने की कोशिश की जा रही है । आगजनी की घटना ना सिर्फ संपत्ति का नुकसान होता है बल्कि जान माल की हानि भी होती है और अगलगी से बचाव के लिए सावधानी के अलावा दूसरा कोई उपाय नहीं है। इसलिए प्रशासन भी लोगों से लगातार सावधान रहने की अपील कर रही है।

मोतिहारी में दो बच्चों के साथ नदी में कूदी महिला

मोतिहारी में सोमवार को एक महिला दो मासूम बच्चों के साथ नदी में कूद गई। आसपास के लोगों ने देखा तो शोर मचाया। तुरंत सुगौली थाना की पुलिस को जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से दोनों मासूमों को बचा लिया, लेकिन महिला गहरे पानी में चली गई। करीब एक घंटे की खोजबीन के बाद उसका शव बरामद हुआ। मामला सुगौली थाना क्षेत्र से होकर गुजरने वाली सिकरहना नदी स्थित घाट का है। नदी से मिली महिला के शव की पहचान कराई जा रही है। फिलहाल दोनों बच्चे की भी पहचान नहीं हो सकी है। बताया गया कि सुबह करीब दस बजे एक महिला अपने दो बच्चे के साथ सिकरहना घाट पर पहुंची और नदी में छलांग लगा दी। उधर से गुजर रहे राहगीरों ने देख कर शोर मचाना शुरू कर दिया, जिसके बाद

आसपास के लोग भी वहां जमा हो गए। इसी बीच सुगौली थाना की पुलिस भी घटना स्थल पर पहुंच गई। दोनों बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया, जबकि महिला के शव को स्थानीय गोताखोर ने निकाला लिया है। सुगौली थानाध्यक्ष धनंजय शर्मा ने बताया कि सूचना मिली थी कि एक महिला ने अपने दो बच्चों के साथ नदी में छलांग लगाकर खुदकुशी की है। पुलिस टीम भेज कर स्थानीय गोताखोरों की मदद से पहले दोनों बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया गया है। वहीं, महिला के शव को एक घंटे की तलाश के बाद शव बरामद हुआ है।

कलश यात्रा में श्रद्धालुओं को लगा करंट 2 की मौत

शेखपुरा में सोमवार की सुबह कलश यात्रा के दौरान बड़ा हादसा हो गया। करंट लगने से दो श्रद्धालु की मौत हो गई। जबकि 6 श्रद्धालु बुरी तरह घायल हो गए। हादसा हथियावा ओपी क्षेत्र के रसलपुर गांव में हुआ। यहां नौ दिवसीय महायज्ञ के लिए कलश यात्रा निकाली गई थी। इसी दौरान यात्रा में शामिल रथ में लगा त्रिशूल हाईटेंशन तार की चपेट में आ गया। इसके बाद रथ पर सवार और उसके आसपास मौजूद 8 लोगों को करंट लगा। जिसमें दो की मौत हो गई। मृतकों की पहचान 25 साल के राजो कुमार पिता महेश सिंह और 30 साल के पीरेंद्र कुमार पिता अशोक सिंह के रूप में हुई है। दोनों ही रसलपुर गांव के रहने वाले हैं। घायलों को निजी

अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सदर अस्पताल के डॉ राघव राज ने कहा कि हमें पता चला कि रथ यात्रा में ये हादसा हुआ है। बहुत सारे लोग करंट लगने से घायल हुए हैं। सदर अस्पताल में दो लोगों को मृत अवस्था में लाया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में यज्ञ का आयोजन था। इसी को लेकर 501 कन्याओं के द्वारा कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा का भ्रमण गांव भर में होना था। इसी दौरान खेत से रथ और कलश यात्रा को निकालने की व्यवस्था थी। खेत में चलने के दौरान रथ में लगा घोड़ा आगे नहीं बढ़ रहा था तो लोग उसे निकाल कर खुद ही रथ को खींचने लगे। इस दौरान लटके हुए 11 हजार वोल्ट की तार पर किसी का ध्यान नहीं गया। रथ का ऊपरी हिस्सा उस तार से टच हो गया, जिससे ये हादसा हुआ। घटना के बाद अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल बना है। चारों ओर चीख-पुकार मच गई। श्रद्धालुओं से पूरा अस्पताल भर गया है। जबकि घायलों का इलाज इलाके के निजी अस्पताल में हो रहा है। वहीं घायलों में 25 साल के रूपेश कुमार, 26 साल के भोलेनाथ, 25 साल के राहुल कुमार, 26 साल के रंजय कुमार शामिल हैं। इनमें रूपेश और भोलेनाथ रसलपुर के रहने वाले हैं। वहीं रंजय और राहुल चितौरा गांव के रहने वाले हैं।

भोजपुर में महिला ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

प्रेमी के चक्कर में पति का साथ छोड़ा

भोजपुर में एक महिला ने रविवार को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला ने अपनी प्रेमी से तंग आकर इस घटना को अंजाम दिया। घटना को लेकर गांव एवं आसपास के इलाके में सनसनी मच गई है। इसके बाद स्थानीय लोगों द्वारा इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमॉर्टम सदर अस्पताल में करवाया। मामला जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जमीरा गांव का है। मृतका मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जमीरा गांव वार्ड नंबर 5 निवासी अखिलेश मुसहर की 32 वषीर्या पत्नी वेजंती देवी है। मृतका की सहेली तेतरी देवी ने बताया कि 5 साल पूर्व उसके पति ने जमीरा गांव के ही एक छोटका नामक युवक के कारण उसे छोड़ दिया था। जिसके बाद वह बक्सर जिला के कृष्णब्रह्म थाना क्षेत्र के छोटका ढकाईच गांव अपने मायके ही रहती थी। उसके पति ने जमीरा गांव का अपना मकान भी बेच दिया था।इसके बाद वह पटना के बिहटा रहने लगा था। उसने बताया कि जमीरा गांव का ही एक युवक छोटका उससे बराबर पैसा लिया करता था और कहता था कि तुम अपने पति को छोड़ दो मैं तुमसे शादी करूंगा। वही उसने बताया कि

उसकी मौसी के लड़के की तबीयत काफी खराब थी। जिसको लेकर शुक्रवार की शाम वह पीरो थाना क्षेत्र के तिवारीडीह गांव अपने मौसी के घर उसके लड़के को देखने गई थी। रविवार की सुबह फोन कर उसने उससे कहा कि मैं जमीरा जा रही हूं। उक्त युवक मेरा बार-बार पैसा लेकर भाग जा रहा है। इसी बीच सूचना मिली कि उसने फांसी लगा ली है। जिससे उसकी मौत हो गई है। सूचना पाकर आरा सदर अस्पताल पहुंचे ।वहीं दूसरी ओर आपकी सहेली तेतरी देवी ने कहा कि कुछ दिन पूर्व वह उक्त युवक के घर गई थी। जहां उसकी मां द्वारा कहा गया था कि अगर तुम मेरे घर दोबारा आई तो मैं तुम्हें मार दूंगी। जिसके कारण उसने जमीरा गांव के ही छोटका नामक युवक पर उसकी फांसी लगाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। जबकि पुलिस द्वारा बनाए गए नृत्य समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार मृतका की मौत फांसी लगाने के कारण होना प्रतीत होता है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आपका कारण पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगा। बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है। उधर घटना की सूचना मिलते ही जमीरा पंचायत के मुखिया भरत यादव आरा सदर अस्पताल पहुंचे और मृतका के परिजन से मिल घटना की जानकारी ली एवं उन्हें ढांढस बंधवाया। बताया जाता है कि मृतका को तीन पुत्र पवन, नीतीश,रंजीत एवं एक पुत्री बसंती है। घटना के बाद मृतका के घर में कोहराम मच गया है। घटी इस घटना के बाद मृतका के परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

संक्षिप्त -समाचार

औरंगाबाद में सेब की खेती शुरू

औरंगाबाद जिला स्ट्रॉबेरी की खेती में इतिहास रच चुका है, लेकिन अब सेब की खेती में भी इतिहास रचेगा। क्योंकि बिहार का सबसे गर्म जिला होने के बावजूद औरंगाबाद में भी सेब की खेती की जा रही है। कुटुम्बा प्रखंड के चिल्हकी बिगहा गांव के प्रगतिशील किसान ब्रजकिशोर मेहता ने प्रखंड के जौड़ा गांव में सेब की खेती की है। फिलहाल लगभग दो कट्ठा में 100 पेड़ से इसकी शुरूआत की गई है। पौधा में फल भी लगने लगा, लेकिन दो साल तक पौधा को मैच्योर होने तक उसके फल को छोटे साइज में ही तोड़ लेना है। ताकि सेब का पौधा मैच्योर हो सके। तीसरे साल से फल का व्यवसायीकरण शुरू होगा। किसान ब्रजकिशोर मेहता ने बताया कि जिला उद्यान कार्यालय द्वारा उन्हें गर्म प्रदेश में भी सेब की खेती की ट्रेनिंग के लिए समस्तीपुर पुषा कृषि विज्ञान केन्द्र भेजा गया था। जहां दो दिनों तक ट्रेनिंग दिया गया है। सेब की खेती करने के तौर-तरीके बताए गए। इसके बाद उद्यान विभाग द्वारा ही जनवरी 2022 में हरमन-99 किस्म का पौधा अनुदानित दर पर उपलब्ध कराया गया। हरमन-99 किस्म के पौधा को गर्म प्रदेश के लिए ही खासकर तैयार किया गया है। 100 पौधा खरीदने में लगभग 10 हजार रुपये लगा। इसके बाद दोमट मिट्टी वाले खेत का चयन किया। कुटुम्बा प्रखंड के जौड़ा में दोमट मिट्टी है।

दरभंगा में तेलांगना पुलिस की छापेमारी

तेलंगाना पुलिस रविवार को छापेमारी करने दरभंगा पहुंची। जहां पुलिस ने आरोपी चोर के पड़ोसी से डायमंड बरामद किया। आरोपी चोर दरभंगा के बिरौल थाना स्थित रजबन्नी गांव निवासी चंद्रशेखर है। मिली जानकारी के अनुसार, चंद्रशेखर ने 1 सितंबर 2022 को हैदराबाद के एक कारोबारी के यहां से डायमंड चोरी की थी। जिसके बाद से ही पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी। इस बीच पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी मुंबई में रह रहा। पुलिस ने सर्च ऑपरेशन चलाते हुए युवक को मुंबई से गिरफ्तार किया। बाद में पूछताछ के दौरान पता चला कि आरोपी ने डायमंड को दरभंगा में अपने पड़ोसी के यहां छिपा रखा था। जिसके बाद छापेमारी करने के लिए तेलंगाना पुलिस रविवार को दरभंगा पहुंची। मामले को लेकर तेलंगाना पुलिस ने बताया कि हैदराबाद के नजारा हिंद थाना क्षेत्र के एक कारोबारी के यहां से आरोपी चंद्रशेखर ने 1 सितंबर 2022 को डायमंड के गहनों की चोरी की थी। चोरी के बाद से वह मौके से फरार चल रहा था। जिसको लेकर कांड संख्या 685/22 दर्ज किया गया। इस मामले में तेलंगाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुंबई से आरोपी को गिरफ्तार किया। जिसके बाद तेलंगाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे मुंबई से बिरौल थाना स्थित रजबन्नी गांव उसके घर पर लेकर आई। जहां उसके घर सहित पड़ोसी के यहां भी छापेमारी की गई। पुलिस ने वहां से डायमंड के तीन गहनों को बरामद किया। बाकी के गहनों को बरामद करने के लिए आरोपी के अलग अलग ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही। मामले की जानकारी देते हुए बिरौल थानाध्यक्ष सह पुलिस निरीक्षक सत्य प्रकाश झा ने बताया कि आरोपी के ठिकाने से गहनों की बरामदगी हुई है। बाकी के गहनों के बरामद करने के लिए छापेमारी जारी है।

मुंगेर में शॉर्ट-सर्किट से कॉफी शॉप में लगी आग

मुंगेर में रविवार की देर रात कॉफी शॉप में शॉर्ट-सर्किट से आग लग गई। अगलगी में एक सिलेंडर भी ब्लास्ट होने की सूचना है। आग की लपटें इतनी ज्यादा उठ रही थी कि आसपास के लोग भी अपने घर से भागने लगे। अफरा-तफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। मौके पर पहुंचे दमकल दल ने करीब तीन घंटे के प्रयास के बाद आग पर काबू पाया। घटना में कैफे के अंदर रखा सारा समान जलकर राख हो गया। घटना जमालपुर थाना के गायत्री नगर के पास की है। कॉफी शॉप के पीछे एक जिम सेंटर चल रहा था। जिम सेंटर भी आग के चपेट में आ गया। जिम सेंटर में भी लाखों का नुकसान हुआ है। गायत्री नगर स्थित सुपर मार्केट बिल्डिंग में कॉफी शॉप और जिम सेंटर चल रहा था। इन सेंटरों में आग पर काबू पाने के लिए कोई भी व्यवस्था नहीं की गई थी। थानाध्यक्ष सर्वजीत कुमार ने कहा कि आग लगने की सूचना हम लोगों को मिली जिसके बाद घटनास्थल पर गए और तुरंत अग्निशमन पदाधिकारी को इसकी सूचना दी। तीन दमकल ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

बिहार के 9 जिलों में हीट वेव का अलर्ट

बिहार में लोग तपती धूप से परेशान हैं। आज भी राज्य के 9 जिलों में हीट वेव की स्थिति बनी रहेगी। इसे लेकर मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है। अगले 24 घंटे में भी मौसम में कोई बदलाव होने के आसार नहीं है। रविवार को राज्य के अधिकतर जिलों में मौसम सामान्य रहा। जबकि मधेपुरा में अचानक मौसम बदल गया। तेज आंधी के साथ बारिश हुई और ओले भी गिरे। हालांकि, मंगलवार से मौसम में बदलाव आने की संभावना है। तेज हवा के साथ बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने 24 मई को सभी जिलों में तेज हवा, बारिश और आकाशीय बिजली की आशंका जताई है। तेज हवा के साथ बारिश को लेकर अलर्ट भी जारी किया है। मौसम विभाग ने हीट वेव को लेकर अलर्ट जारी किया है। इसमें पटना, कैमूर, बक्सर, भोजपुर, रोहतास, औरंगाबाद, नवादा, शेखपुरा और खगड़िया शामिल है। इन जिलों का अधिकतम तापमान 44 डिग्री के करीब रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार एक ट्रफ लाइन समुद्र तल से 0.9 किलोमीटर ऊपर पश्चिम बिहार से छत्तीसगढ़ होते हुए उत्तरी तेलंगाना की ओर गुजर रहा है। इससे राज्य में अगले 24 घंटे तक गर्मी की तपिश बढ़ी रहेगी। पिछले 24 घंटे में औरंगाबाद सबसे गर्म रहा। यहां का अधिकतम तापमान 44.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके साथ ही राज्य के 7 जिलों में हीट वेव की स्थिति बनी रही। इसमें पटना, शेखपुरा, औरंगाबाद, भोजपुर, बांका, नवादा और नालंदा शामिल है। प्रदेश के 12 जिलों का अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार दर्ज किया गया। पटना का अधिकतम तापमान 42 डिग्री, गया का 43.3 डिग्री, रोहतास का 43.8 डिग्री, शेखपुरा का 43.1 डिग्री, जमुई का 41.1 डिग्री, भोजपुर का 43.5 डिग्री, वैशाली का 41.4 डिग्री, बांका का 40.9 डिग्री, नवादा का 42.6 डिग्री, नालंदा का 42.4 डिग्री और सीवान का 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

आम के बहाने पसमांदा मुसलमानों के साथ योगी

मिर्जा गालिब मीठे आम के लिए जान देते थे। वे अपने दोस्तों-यारों के साथ आम खाना पसंद करते थे। उनकी आम की पार्टियां मशहूर हैं कवे वर्ष 1827 में दिल्ली से कोलकाता गए थे। वे दिल्ली से कोलकाता जाते वक्त कानपुर, लखनऊ, बांदा, इलाहाबाद होते हुए बनारस पहुंचे। वे बनारस में छह महीने ठहरे। उन्होंने अपने सफर के दौरान उत्तर प्रदेश के मशहूर दशहरी या लंगड़ा आम का जमकर स्वाद स्वाद चखा । आम की अलग-अलग प्रजातियां सारे देश में मिलेंगी पर उत्तर प्रदेश में मिलने वाले मिश्री जैसे रसीले आमों की बात ही अलग है। अजीब सा संयोग है कि राज्य में आम की खेती और व्यापार में मुसलमानों की अच्छी-खासी भूमिका है। आपको सारे प्रदेश में आम की खेती करते हुए ज्यादातर मुसलमान ही मिलेंगे। कुछ समय पहले राज्य के कुछ इलाकों में बेमौसमी बारिश तथा ओला वृष्टि से आम किसानों के सामने संकट खड़ा हो गया था। वे बेहद परेशान थे। तब योगी सरकार ने भरोसा दिया था कि हर किसान को हुए नुकसान की उचित भरपाई की जाएगी। उस पर तेजी से अमल हो भी रहा है। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर, मेरठ, बागपत, बुलंदशहर, अमरोहा, बाराबंकी, हरदोई, सीतापुर, अयोध्या, लखनऊ, प्रतापगढ़, वाराणसी वगैरह दशहरी, चौसा, लंगड़ा, रामकेला, रतौल, आम्रपाली और मल्लिका की फसल उगाई जाती है। दरअसल आम के उत्पादन में उत्तर प्रदेश का देश में पहला स्थान है। इसकी खेती करके किसान बेहतर मुनाफा भी कमा रहे हैं। इस बीच, उन्नाव जिला आम की कई किस्मों के लिए जाना जाता है। राज्य की जलवायु और मिट्टी आम की खेती के लिए बड़ी मुफीद मानी जाती है। इस वजह से सबसे अधिक आम उत्पादन उत्तर प्रदेश में होता है। मगर बिहार की राजधानी पटना के आसपास होने वाले दीघा मालदह का तो जवाब ही नहीं है। मुंह में जाते ही घुल जाता है कइसके अतिरिक्त भागलपुर का जदार्लू और मोतिहारी का बीजू आम भी लाजवाब है। उत्तर प्रदेश के आम उत्पादकों को चुस्त मार्केटिंग के अभाव में अपनी फसल को देश के विभिन्न भागों में और देश से बाहर भेजने के अबतक कम अवसर मिलते थे। इस कमी को दूर करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार का आगामी 21 से 25 सितंबर तक नोएडा में आयोजित हो रहा इंटरनेशनल ट्रेड शो अहम होगा। उसमें फलों के राजा आम की विशेष मार्केटिंग की जाएगी। उत्तर प्रदेश देशभर का करीब 21 प्रतिशत आम का उत्पादन अकेले करता है। योगी सरकार इंटरनेशनल ट्रेड शो के माध्यम से ओडीओपी यानी एक जिला एक उत्पाद को प्रमोट कर रही है। ऐसे में आम के अलग-अलग किस्मों को भी इस शो में प्रमोट करने की तैयारी सरकार ने कर ली है। उत्तर प्रदेश का आम सारी दुनिया में बिकेगा तो लाभ होगा मुसलमानों को खासतौर पर। दरअसल आम के किसान और उनके यहां काम करने वाले मजदूर सब मुसलमान ही हैं। खेतों में काम करने वाले अधिकतर किसान पसमांदा समुदाय से आने वाले मुस्लिम हैं।

दुनिया में स्वास्थ्य

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी ताजा सतत विकास लक्ष्य संबंधी रिपोर्ट 2023 बताती है कि सहस्त्राब्दी की शुरूआत के बाद से दुनिया ने स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार देखा है। यह किसी खुशखबरी से कम नहीं कि दुनिया में इस सदी में बाल मृत्यु दर आधी हो गई, मातृ मृत्यु दर एक तिहाई घट गई है। एचआईवी, तपेदिक और मलेरिया सहित कई संक्रामक रोगों में कमी आई है। गैर-संचारी या गैर-संक्रामक रोगों (एनसीडी) के चलते समय से पहले मौत का जोखिम कम हुआ है। जन्म के समय वैश्विक जीवन प्रत्याशा बढ़ी है। यह उत्साहजनक है कि दुनिया में आमतौर पर इंसान साल 2000 में 67 साल जीते थे, पर 2019 में 73 साल जीने लगे हैं। आयु में छह साल की वृद्धि दुनिया में स्वास्थ्य सेवाओं और जागरूकता विकास का संकेत है। अब लोग सुविधाओं का लाभ उठाते हुए खुद को बचाने के प्रयास करने लगे हैं, यह प्रशंसनीय बात है। दुनिया में तंबाकू सेवन, शराब सेवन और बाल कुपोषण के मोर्चे पर भी सुधार हुआ है। वैसे एक बात यह भी गौर करने की है कि साल 2015 के बाद से स्वास्थ्य सेवाओं में हो रही तेज तरक्की की रफ्तार कुछ थमी है। ऐसे में, साल 2030 तक के लिए तो सतत विकास लक्ष्य बनाया गया है, उसे पाने में कुछ परेशानी हो सकती है। एक चिंता की बात यह भी है कि दुनिया की 99 प्रतिशत आबादी अस्वास्थ्यकर स्तरों में सांस लेती है। दुनिया में मोटे लोगों की संख्या भी बढ़ रही है, इसमें तत्काल कमी आने के संकेत नहीं हैं। ऐसा लगता है कि पिछले दशक के मध्य में आर्थिक मंदी ने असर दिखाया है और स्वास्थ्य के मद में सार्वजनिक खर्च घटा है या उतना नहीं बढ़ा है, जितना उसे बढ़ना चाहिए। स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने में अनेक देशों में वित्तीय कठिनाई हो रही है। स्वास्थ्य सुविधाओं में असमानता लगातार कायम है। 13 से ज्यादा ऐसे देश हैं, जहां लोग स्वास्थ्य सुविधाओं तक पर्याप्त रूप से नहीं पहुंच पा रहे हैं और इन देशों में बीमारियों से मरने वालों की संख्या ज्यादा है। यह भी ध्यान देने योग्य तथ्य है कि कोरोना महामारी के चलते 2020 और 2021 में विश्व स्तर पर 14.90 करोड़ अतिरिक्त मौतें हुई हैं और 33,680 लाख वर्षों का जीवन बर्बाद हुआ है।

Social Media Corner

सच के हक में...

पापुआ न्यू गिनी की मेरी यात्रा ऐतिहासिक रही है। मैं इस अद्भुत राष्ट्र के लोगों के बीच मिले स्नेह को बहुत संजो कर रखूंगा। मुझे सम्मानित FIPIC नेताओं के साथ बातचीत करने और अपने-अपने देशों के साथ संबंधों को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा करने का भी अवसर मिला। गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए मैं प्रधानमंत्री जेम्स मारापे को धन्यवाद देता हूं। अब सिडनी में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए ऑस्ट्रेलिया रवाना हो रही हूं।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्विटर अकाउंट से)

राज्य में बिजली कटौती से लोग बिलबिला रहे हैं।लोगों का इन्वर्टर डाउन हो गया, शहरों में जनरेटर प्रदूषण उगल रहे और गावों में स्थिति तो और बदतर है। इसीलिए मैं कहता हूं, हेमंत सोरेन जनता के नहीं, हवा हवाई वादों के मुख्यमंत्री हैं।इनको जनता की चिंता नहीं है, शायद मुख्यमंत्री जी अपने आवास के एसी कमरे में बैठकर यह जुगत लगा रहे होंगे कि जांच एजेंसियों से अपना गला कैसे बचाया जाए। बाकी जनता जाए भाड़ में, यही बात है न हेमंत जी?

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

मणिपुर हिंसा को इस अर्थ में भी देखिए

ANALYSIS

रमेश शर्मा

कश्मीर से लेकर केरल तक घटने वाली हिंसक घटनाओं की समीक्षा करें तो स्थिति अपने आप स्पष्ट हो जाएगी। गिनाने के लिए सबके कारण अलग हैं और स्थानीय दिखते हैं किंतु सभी क्षेत्रों से उन परिवारों को निशाना बनाया जाता है जो स्वयं को हिन्दू विचार के अनुरूप या उसके समीप बताते हैं । मणिपुर की इस हिंसा का लक्ष्य भी यही है । कितना साम्य हैं सभी हिंसक घटनाओं में। जुलूस का निकलना, बहुसंख्यकों पर हमला करना, उनके धर्म स्थलों को क्षतिग्रस्त करना और उनसे क्षेत्र खाली कराना । जब हमले होते हैं तो कुछ लोग अपनी जान बचाकर इधर-उधर भाग जाते हैं और कुछ परिस्थितियों से समझौता करके रूपान्तरित हो जाते हैं । यही तो कश्मीर में हुआ है और यही सौ साल पहले केरल के मालाबार में हुआ था । अंतर इतना है कि कश्मीर में रूपान्तरण की धारा अलग है और मणिपुर की धारा अलग। कश्मीर में हिंसा, आतंकवाद और भयाक्रांत लोगों का रूपान्तरण करने का केन्द्र पाकिस्तान में है तो मणिपुर में हिंसा, तनाव, वैमनस्य और रूपान्तरण का वातावरण बनाने के लिए दो शक्तियां कार्य कर रहीं हैं।

हिंसा के तीन सप्ताह बीत जाने के बाद भी मणिपुर में सामाजिक तनाव कम नहीं हुआ है । वहां यह हिंसा न तो पहली है और न अंतिम। अभी सशस्त्र बलों की उपस्थिति से हमलावर छिप गए हैं। स्थिति नियंत्रण में लग रही है पर हिंसक तत्व सक्रिय हैं। सशस्त्र बलों के कम होने के बाद वे फिर सक्रिय होंगे और अपने हिंसक अभियान में जुटेंगे। इसका कारण यह है कि यह हिंसा किसी भीड़ के अचानक हिंसक हो जाने की घटना नहीं है अपितु बहुसंख्यक को भगाने अथवा उन्हें रूपान्तरित करने के षड्यंत्र का अंग है जो मणिपुर में वर्षों से चल रहा है । मणिपुर से हिंसा के जो समाचार मीडिया के माध्यम से आए उनमें कहा गया कि यह हिंसा आरक्षण के समर्थन और विरोध की प्रतिक्रिया है । दिखने-दिखाने में तो यही लगता है । इस हिंसा की वास्तविकता कुछ और है । मणिपुर में ऐसी हिंसा वर्षों से चल रही है। अकेले मणिपुर में ही क्यों, ऐसी हिंसा देश भर में हो रही है और सीमा प्रांतों में अधिक । यह हिंसा भारत के विभिन्न भागों में चल रहे आतंकवाद और रूपान्तरण के षड्यंत्र का ही हिस्सा है । जो भारत विरोधी तत्वों द्वारा भारतीयों को ही बहकाकर की जा रही है । ऐसी हिंसा हम देश भर देख सकते हैं।

यदि कश्मीर से लेकर केरल तक घटने वाली हिंसक घटनाओं की समीक्षा करें तो स्थिति अपने आप स्पष्ट हो जाएगी। गिनाने के लिए सबके कारण अलग हैं और स्थानीय दिखते हैं किंतु सभी क्षेत्रों से उन परिवारों को निशाना बनाया जाता है जो स्वयं को हिन्दू विचार के अनुरूप या उसके समीप बताते हैं । मणिपुर की इस हिंसा का लक्ष्य भी यही है । कितना साम्य हैं सभी हिंसक घटनाओं में। जुलूस का निकलना, बहुसंख्यकों पर हमला करना, उनके धर्म स्थलों को क्षतिग्रस्त करना और उनसे क्षेत्र खाली कराना । जब हमले होते हैं तो कुछ लोग अपनी जान बचाकर इधर-उधर भाग जाते हैं और कुछ परिस्थितियों से समझौता करके रूपान्तरित हो जाते हैं । यही तो कश्मीर में हुआ है और यही सौ साल पहले केरल के मालाबार में हुआ था । अंतर इतना है कि कश्मीर में रूपान्तरण की धारा अलग है और मणिपुर की धारा अलग। कश्मीर में हिंसा, आतंकवाद और भयाक्रांत लोगों का रूपान्तरण करने का केन्द्र पाकिस्तान में है तो मणिपुर में हिंसा, तनाव, वैमनस्य और रूपान्तरण का वातावरण बनाने के लिए दो शक्तियां कार्य कर रहीं हैं। एक का उद्देश्य समाज में द्वेष और तनाव फैलाकर अराजकता पैदा करना है । ये हिंसक तत्व वन और पर्वतीय क्षेत्र में जाकर छिप जाते हैं। इनकी कार्यशैली ठीक वैसी है जो छत्तीसगढ़ में नक्सलियों की होती है । माना जाता है कि इन हिंसक तत्वों को संचालित करने वाले सूत्र पड़ोसी देश चीन में कहीं हैं। तो दूसरी शक्ति का उद्देश्य भय अथवा लालच से समाज का रूपान्तरण कराना है । समय आने पर ये तत्व मिशनरीज के पीछे छिप जाते हैं । इनका केन्द्र कहीं म्यांमार में अनुमानित है । इस शक्ति ने एक प्रकार से मणिपुर के नगा और कुकी समाज का रूपान्तरण करा लिया है । इन दोनों समाज के लोग अब ईसाई पंथ में रूपान्तरित हो सके हैं। और मणिपुर की लगभग 90 प्रतिशत भूमि के यही स्वामी हैं। जबकि मैतेई समाज की जनसंख्या चालीस प्रतिशत है पर उसका केवल दस प्रतिशत भूमि पर ही अधिकार है । अब हिंसक तत्व इनको इस भूमि से भी दूर करना चाहते हैं। मणिपुर में हिंसा और रूपान्तरण के लिए जिन दो शक्तियों में परस्पर तालमेल है उनका परस्पर कोई वैचारिक साम्य नहीं है । भारत को अस्थिर करके अपने मत का विस्तार करने में दोनों एकजुट हैं। एक मणिपुर नहीं पूरे उत्तर पूर्व भारत में इन दोनों अंतधाराओं में जबरदस्त युति है । मणिपुर में इन दोनों के निशाने पर सदैव मैतेई समाज रहता है । मैतेई समाज स्वयं को सनातन हिन्दू परंपरा का अंग मानता है । इसलिए सदैव यही समाज निशाने पर होता है । इस बार भी हमला इसी पर हुआ । ताजा हिंसा यद्यपि तीन मई से आरंभ मानी गई। जब एक जुलूस में एकत्र भीड़ ने बस्ती पर हमला बोला । पर इस हिंसा का सूत्रपात 27 अप्रैल से हो गया था। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन वीरेन्द्र सिंह 28 अप्रैल को चुराचांदपुर जाने वाले थे । उन्हें अपनी इस यात्रा में एक ओपन जिम का उद्घाटन करना था । इससे एक दिन पहले 27 अप्रैल को ही उसमें आग लगा दी गई। हिंसक समूह यहीं तक नहीं रुके । उन्होंने मणिपुर जनजातीय समूहों को सक्रिय किया और मुख्यमंत्री की चुराचांदपुर यात्रा के दिन 12 घंटे के बंद का आह्वान भी किया था । इस आह्वान के बाद इंफाल, चुराचांदपुर और अन्य आसपास के क्षेत्रों में हिंसक घटनाएं हुईं । इस पर नियंत्रण के लिए धारा 144 लागू कर दी गई और इंटरनेट सेवा को निलंबित कर दिया गया । पर इस सावधानी से हिंसक तत्वों की तैयारी पर कोई प्रभाव पड़ा। उनका नेटवर्क बहुत सशक्त था । तीन मई को जुलूस की तैयारी हुई और हजारों लोग सड़कों पर आए उत्तेजक भाषण हुए और हिंसा आरंभ हो गई । यह हिंसा उस मांग के विरुद्ध है जिसमें मैतेई समाज द्वारा स्वयं को जनजातीय सूची करने शामिल करने के लिए की जा रही है । यह समाज भी यहां का मूल निवासी है । सैंकड़ों हजारों साल के प्रमाण हैं। ईसा से एक हजार वर्ष पूर्व का तो व्यवस्थित इतिहास है । पर अंग्रेजों ने अपनी विभाजन नीति के अंतर्गत वन और पर्वतीय क्षेत्र में रहने कूका और नगा समाज को आदिवासी घोषित किया था और उनके रूपान्तरण के लिए मिशनरीज सक्रिय हो गई थीं । चूंकि अंग्रेजों को इस क्षेत्र की वन संपदा पर अधिकार करना था । इसलिए उन्होंने इन दो समुदायों को वन और पर्वतीय क्षेत्र का स्वामी तो माना और यह अधिकार भी दिया कि वे घाटी क्षेत्र में बसने के अधिकारी हैं। जबकि मैतेई समाज को वन और पर्वतीय क्षेत्र में मकान जमीन क्रय करके बसने का अधिकार नहीं दिया । इसीलिए यह समाज सिमटता जा रहा है । और विवश होकर या तो अन्य प्रातों में जा रहा है अथवा रूपान्तरित हा रहा है । 1961 की जनगणना में यह समाज साठ प्रतिशत से अधिक था जो अब घटकर चालीस प्रतिशत के आसपास रह गया । अपने सिमटते अस्तित्व से चिंतित इस समाज ने अपने तीन हजार वर्ष पुराने इतिहास को आधार बना कर ही इस समुदाय ने स्वयं अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी में शामिल करने की मांग उठाई । मामला अदालत में भी दायर किया । इसके विरोध में ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ मणिपुर (एटीएसयूएम) सामने आया । ताजा हिंसा के पीछे यही संगठन है । मई के प्रथम सप्ताह में हुई यह हिंसा रैली में अकस्मात भड़की हिंसा नहीं अपितु पहले से की गई तैयारी झलकती है। यह हिंसा चुराचांदपुर के तोरबंग इलाके से कांगपोकपी होकर इंफाल तक पहुंची। मरने वालों की संख्या सत्तर तक पहुंची । जिनके घरों पर हमला हुआ और उन्हें क्षेत्र से भगाया गया उनकी संख्या लगभग डेढ़ हजार से अधिक है । यह आंकड़ा वह है जिन्हें सुरक्षा बलों ने बचाकर सुरक्षा दी । इनके अतिरिक्त उन सैकड़ों लोगों की गणना होनी बाकी है जो हिंसा की आशंका से पहले ही अपने घर छोड़कर पलायन कर गए थे । कुछ असम आ गए और कुछ यहां वहां भागे। हिंसक भीड़ ने मंदिरों को निशाना बनाया गया । विश्व हिन्दू परिषद पीड़ितों की सेवा में सक्रिय हो गई है । परिषद ने इन क्षतिग्रस्त मंदिरों की संख्या चालीस बताई है । पर मंदिरों के बारे में अभी राज्य सरकार का आंकड़ा सामने नहीं आया है । हां, मरने वालों और बेघर हुए लोगों के आंकड़े सुरक्षाबलों ने ही जारी किए हैं। सुरक्षा बलों की सख्ती से फिलहाल हिंसा रुक गई है पर वे तत्व नहीं रुकेंगे जो किसी न किसी बहाने से समाज में वैमनस्य फैलाकर भारत में तनाव पैदा करना चाहते हैं। अपने मत का विस्तार करना चाहते हैं । अंग्रेज भले चले गए पर उनके षड्यंत्रों के विष बीज नष्ट न हुए । उन विष बीजों के कारण ही मणिपुर में यह हिंसा हुई । यह अंग्रेजों का कूटनीतिक कानून और मिशनरीज की जमावट है कि मणिपुर के बहुसंख्यक मैतेई समाज की जनसंख्या धीरे-धीरे घट रही है और इनकी बस्तियां खाली हो रहीं हैं। यह ठीक वैसा ही है जैसे कश्मीर में हुआ। मणिपुर में कुकी और नगा लगभग पूरी तरह रूपान्तरित हो चुके हैं और मैतेई समाज पर दबाव बनाया जा रहा है । वे या तो रूपान्तरित हों अथवा क्षेत्र खाली करें। यही बात चिंताजनक है । पूरे सनातन समाज के लिए चिंताजनक है । चूंकि पूरे देश में यदि किसी को विभाजित करने का षड्यंत्र होता है तो केवल सनातन हिन्दू समाज पर। रूपान्तरण का या बस्ती खाली करने का मानसिक दबाब बनता है तो केवल सनातन हिन्दू समाज पर।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार और स्तंभकार हैं।)

संवैधानिक मूल्यों को समृद्ध करेगा नया संसद भवन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 मई को संसद के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण करेंगे। भारत में संसद को लोकतंत्र का मंदिर कहा जाता है। लोकतंत्र में संसद का वही स्थान है, जो भारतीय संस्कृति में भगवान का है। हमारे संविधान निमार्ताओं ने इसलिए कहा भी था कि लोकतंत्र में प्रत्येक विचार का केंद्र बिंदु संसद ही है और राष्ट्र निर्माण में उसकी अहम भूमिका है। लोकसभा तथा राज्यसभा, दोनों सदनों ने 5 अगस्त, 2019 को सरकार से संसद के नए भवन के निर्माण के लिए आग्रह किया था। इसके बाद 10 दिसंबर, 2020 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद के नए भवन का शिलान्यास किया था। संसद के नवनिर्मित भवन को गुणवत्ता के साथ रिकॉर्ड समय में तैयार किया गया है। चारमंजिला संसद भवन में 1272 सांसदों के बैठने की व्यवस्था की गई है। संसद के वर्तमान भवन में लोकसभा में 550, जबकि राज्यसभा में 250 माननीय सदस्यों की बैठक की व्यवस्था है। भविष्य की जरूरतों को देखते हुए संसद के नवनिर्मित भवन में लोकसभा में 888, जबकि राज्यसभा में 384 सदस्यों की बैठक की व्यवस्था की गई है। दोनों सदनों का संयुक्त सत्र लोकसभा चैंबर में ही होगा। संसद सदस्यों के लिए एक लाउंज, एक पुस्तकालय, कई समिति कक्ष, भोजन क्षेत्र और पर्याप्त पार्किंग स्थान भी होगा। लेकिन आम नागरिकों के लिए जरूरी है कि वह लोकतंत्र में संसद की क्या भूमिका है, इसको भी समझें।

दुनिया में 13वीं शताब्दी में रचित मैग्ना कार्टा की बहुत चर्चा होती है। कुछ विद्वान इसे लोकतंत्र की बुनियाद भी कहते हैं। लेकिन बहुत कम लोग यह बात जानते हैं कि मैग्ना कार्टा से भी पहले 12वीं शताब्दी में ही भारत में भगवान बसवेश्वर का ह्यअनुभव मंटपमह्ल अस्तित्व में आ चुका था। ह्यअनुभव मंटपमह्ल के रूप में उन्होंने लोक संसद का न सिर्फ निर्माण किया था, बल्कि उसका संचालन भी सुनिश्चित किया था। भगवान बसवेश्वर जी ने कहा था - ह्ययी अनुभवा मंटप जन सभा, नादिना मद्धु राष्ट्रधा उन्नतिगे हागू, अभिवृध्दिगे पूरकावगी केलसा मादुत्थादे !ह्ल यानी ये अनुभव मंटपम, एक ऐसी जनसभा है, जो राज्य और राष्ट्र के हित में और उनकी उन्नति के लिए सभी को एकजुट होकर काम करने के लिए प्रेरित करती है। मुझे लगता है कि अनुभव मंटपम, लोकतंत्र का ही एक स्वरूप था। इसी तरह तमिलनाडु में चेन्नई से 80 किलोमीटर दूर उत्तरामेरुर नाम के गांव में एक बहुत ही ऐतिहासिक साक्ष्य दिखाई देता है। इस गांव में चोल साम्राज्य के दौरान 10वीं शताब्दी में पत्थरों पर तमिल में लिखी गई पंचायत व्यवस्था का वर्णन है। इसमें बताया गया है कि कैसे हर गांव को कुडुंबु में बांटा जाता था, जिन्हें हम आज वार्ड कहते हैं। इन कुडुंबुओं से एक-एक प्रतिनिधि महासभा में भेजा जाता था और वैसा आज भी होता है। इस गांव में हजार वर्ष पूर्व जो महासभा लगती थी, वो आज भी वहां मौजूद है। एक हजार वर्ष पूर्व बनी इस लोकतांत्रिक व्यवस्था में एक और बात बहुत महत्वपूर्ण थी। पत्थर पर लिखा हुआ है कि जनप्रतिनिधि को चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित करने का भी प्रावधान था। जो जनप्रतिनिधि अपनी संपत्ति का ब्योरा नहीं देगा, वो और उसके करीबी रिश्तेदार चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। आप सोचिए कितने सालों पहले, कितनी बारीकी से उस समय हर पहलू के बारे में सोचा गया था, समझा गया था और अपनी लोकतांत्रिक परंपराओं का हिस्सा बनाया गया था। लोकतंत्र का हमारा ये इतिहास देश के हर कोने में नजर आता है। कुछ पुरातन शब्दों से तो हम बराबर परिचित हैं, जैसे सभा, समिति, गणपति, गणाधिपति। ये शब्दावली हमारे मन मस्तिष्क में सदियों से प्रवाहित है। सदियों पहले शाक्या, मल्लम और वेज्जी जैसे गणतंत्र हों, मल्लक मरक और कम्बोज जैसे गणराज्य हों या फिर मौर्य काल में कलिंग, सभी ने लोकतंत्र को ही शासन का आधार बनाया था। हजारों साल पहले रचित हमारे ऋग्वेद में लोकतंत्र के विचार को समज्ञान यानी समूह चेतना के रूप में देखा गया था। संसदीय व्यवस्था में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच सतत संवाद, सहमति, सहयोग, सहकार, स्वीकार और सम्मान का भाव प्रबल होना ही चाहिए। यही लोकतंत्र की विशेषता है। इसी में संसदीय परंपरा की महिमा और गरिमा है। संभव है, इसे कुछ लोग कोरी राजनीति कहकर विशेष महत्व न दें, बल्कि सीधे खारिज कर दें, परंतु मूल्यों के अवमूल्यन के इस दौर में ऐसी राजनीति की महती आवश्यकता है। ऐसी राजनीति ही राष्ट्र-नीति बनने की संभावना रखती है। ऐसी राजनीति से ही देश एवं व्यवस्था का सुचारू संचालन संभव होगा। केवल विरोध के लिए विरोध की राजनीति से देश को कुछ भी हासिल नहीं होगा। विपक्ष को साथ लेना यदि सत्तापक्ष की जिम्मेदारी है, तो विपक्ष की भी यह जिम्मेदारी बनती है कि वह राष्ट्रीय हितों के मुद्दों पर सरकार का साथ दे, सहयोग करे, जनभावनाओं की मुखर अभिव्यक्ति के साथ-साथ विधायी एवं संसदीय प्रक्रिया एवं कामकाज को गति प्रदान करे। लोकतंत्र में सरकार न्यासी और विपक्ष प्रहरी की भूमिका निभाए । भारत की सबसे बड़ी ताकत इसकी सफल बहुदलीय संसदीय लोकतांत्रिक प्रणाली है। एक सजीव, गतिशील और बहुदलीय प्रणाली में ऐसे अवसर हो सकते हैं जब विभिन्न संस्थाएं एक विशेष तरीके से काम करें, किंतु हमारे पास व्यवस्था में किसी भी मनमुटाव को दूर करने और किसी भी संकट से बचने की क्षमता है। आप देखिए कि भारत की संसद अपनी प्रकृति और परंपरा में औरों से बिल्कुल अलग है। यहां प्रीति और कलह साथ-साथ चलते हैं। भारत की रीति-नीति-प्रकृति से अनजान व्यक्ति को संसद में होने वाली गर्मागर्म बहसों को देखकर अचानक लड़ाई-झगड़े का भ्रम हो उठेगा, परंतु ये चचाएं हमारे विचार विनिमय के जीवंत प्रमाण हैं।

गुरु ग्रंथ साहिब के प्रणेता: गुरु अर्जन देव

सिक्खों के पंचम गुरु अर्जन देव, जो यह मानते थे कि हम सब इंसान उसी एक खुदा यानी पिता के बालक हैं और वही हमारा गुरु है। वे फिर कहते हैं कि - ना को बैरी नाहीं बेगाना ,सकल संग हमको बन आई यानी यहां वे विश्व बंधुत्व की बात करते हैं। गुरु अर्जन देव जी ने अपने जीवन- काल में जो दो महत्वपूर्ण उपहार मानवता को दिए, उसका कोई सानी नहीं । एक है गुरु ग्रंथ साहिब ,जिसमें उनके पूर्व के चार गुरुओं के साथ ही उनकी अपनी वाणी का भी संग्रह है। इसके अलावा तत्कालीन एवं उनसे पूर्व के भक्त कवियों, भाटों की रचनाएं भी शामिल हैं । देश के अलग-अलग हिस्सों एवं जातियों के भक्तों के इस संग्रह में जहां उत्तर प्रदेश से कबीर, रविदास, रामानंद, सैन, भीखन, महाराष्ट्र से नामदेव, त्रिलोचन राजस्थान से धन्ना भगत, अवध से सूरदास तथा बंगाल की धरती से गीत गोविंद के रचयिता जयदेव के भी दो पदों का समावेश है। इसमें उन सभी ऐसे भक्तों, संतों की वाणी है जो सभी मनुष्यों को एक मानते हुए उस एक ईश्वर की सत्ता में विश्वास रखते थे। इसी आदि गुरु ग्रंथ साहिब में फिर दसवें गुरु गोविंद सिंह ने अपने पिता नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर की रचनाओं को शामिल किया और फिर उस का वर्तमान स्वरूप बना तथा सिखों को यह आदेश दिया कि गुरु मान्यो ग्रंथ यानी उनके बाद यह ग्रंथ ही जीवन जीने का मकसद भी बनेगा और हमेशा सच्चा पथ प्रदर्शक बना रहेगा। हिन्दी के महान साहित्यकार आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का कहना है- गुरु ग्रंथ साहिब जी में समस्त मानवता के लिए दिव्य सन्देश है। श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के संकलनकर्ता श्री गुरु अर्जन देव जी ने बाणियों का संग्रह करते हुए किसी विशिष्ट भाषा का प्रयोग न कर, इन्हें भाषावाद से ऊपर रखा। वैसे तो देश-विदेश के सैंकड़ों विद्वानों ने गुरु ग्रंथ साहिब के सम्बंध में अपने महत्वपूर्ण विचार समय-समय पर व्यक्त किये हैं , लेकिन मैं फि लहाल बंगाल की रग-रग में रचे-बसे कवि गुरु रवींद्रनाथ ठाकुर की एक खास बात का उल्लेख करना चाहूंगा। दरअसल, रवींद्रनाथ ठाकुर अपने पिता देवेन्द्रनाथ ठाकुर के साथ कई बार अमृतसर स्वर्ण मन्दिर जाते थे और गुरुवाणी-कीर्तन सुनकर बेहद प्रभावित थे। उन्होंने जब गुरु नानक देवजी द्वारा जगन्नाथ पुरी में उच्चारित की गई वो आरती सुनी तो इतने अभिभूत हो गये थे कि उन्होंने बाद में बलराज साहनी से भी इसका जिक्र करते हुए कहा था कि राष्ट्र-गीत नहीं,अगर कोई विश्व-गीत हो सकता है तो यही है। वो आरती इस प्रकार है:

गगन में थाल, रवि चंद दीपक बने
तारका मंडल जनक मोती
धूप, मलयानलो, पवन चवरो करे,
सगल बनराई फुलंत जोती। ...

इसके अलावा उन्होंने जो दूसरा महत्वपूर्ण उपहार दिया वह है अमृतसर में दरबार साहिब जो स्वर्ण मंदिर के नाम से विश्व विख्यात है ,जिसका नींव पत्थर उन्होंने तत्कालीन सूफी संत मियां मीर जी से रखवाया था। इस मंदिर के चारों ओर चार दरवाजे हैं, जो इस बात का प्रतीक हैं कि इसमें चारों वर्णों और हर दिशाओं से सभी धर्मों को मानने वालों का प्रवेश अबाध है । हम हमेशा देखते हैं कि कोई भी राजसत्ता सत्य और न्याय के रास्ते पर चलने वाले हर उस शख्स की विरोधी हो जाती है, जो कभी उसकी निर्दयी सत्ता को ललकारता है या उसके लिए कभी खतरा बन सकता है। जिस समय गुरु अर्जुन देव गुरु गद्दी पर विराजमान थे, उस समय देश पर मुगलिया सल्तनत के जहांगीर का शासन था। जहांगीर को जब यह लगा कि जनता गुरुजी की मुरीद बन रही है और अत्याचार का विरोध करने का उनमें जज्बा पैदा हो सकता है तो जहांगीर ने गुरु जी को कठोर यातनाएं देकर प्राण दंड देने की सजा सुना दी थी ।

टकराव की शक्ति

दिल्ली सरकार में अधिकारियों की तैनाती और तबादले को लेकर सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ का फैसला आया, तो लगा कि अब केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच टकराव की नौबत नहीं आएगी। संविधान पीठ ने कुछ को छोड़ कर सभी विभागों के अधिकारियों के चयन और तबादले का अधिकार दिल्ली सरकार को दे दिया। मगर केंद्र सरकार को वह फैसला रास नहीं आया। शुक्रवार को उसने अध्यादेश जारी कर दिल्ली सरकार के अधिकारों का अधिग्रहण कर लिया। अधिकारियों की तैनाती और तबादले के लिए राष्ट्रीय राजधानी लोकसेवा प्राधिकरण का गठन कर दिया गया, जिसके अध्यक्ष दिल्ली के मुख्यमंत्री को और दो अन्य सदस्यों के रूप में प्रधान सचिव और केंद्रीय गृहमंत्रालय के प्रधान सचिव को नामित कर दिया गया। नियम बनाया गया कि सदस्यों के बहुमत के आधार पर नियुक्तियों और तबादलों से संबंधित फैसले होंगे। जाहिर है, इस आयोग में भी केंद्र सरकार की शक्ति अधिक रखी गई है, यानी केंद्र सरकार जिसे चाहेगी वही अधिकारी दिल्ली सरकार में तैनात किया जा सकेगा। इसे लेकर स्वाभाविक ही विपक्ष और मुख्य रूप से आम आदमी पार्टी ने विरोध शुरू कर दिया है। दिल्ली सरकार इस अध्यादेश को अदालत में चुनौती देगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आश्वस्त हैं कि यह अध्यादेश अदालत में एक दिन भी नहीं टिकेगा। यह बात किसी को भी गले नहीं उतर रही कि आखिर केंद्र सरकार क्यों इस जिद पर अड़ी है कि दिल्ली सरकार को एक चुनी हुई सरकार के अधिकार हासिल न होने पाएं। वह उसकी सारी प्रशासनिक शक्तियां अपने हाथ में क्यों रखना चाहती है। शुरू से ही, दिल्ली के जो भी उपराज्यपाल नियुक्त हुए, वे केंद्र की इच्छाओं के अनुरूप ही काम करते रहे।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PRIVATE LIMITED, Kathitand, Near Tender Bagicha, P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001.Editor-Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

आईपीएल के पहले क्वालीफायर में आज होगा सीएसके और टाइटंस में मुकाबला

चेन्नई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पहले क्वालीफायर में मंगलवार को महेंद्र सिंह धोनी की चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) का मुकाबला हार्दिक पांड्या की गुजरात टाइटंस से होगा। इस मैच में जीत के लिए दोनो ही टीमें पूरी ताकत लगा देंगी। लीग मुकाबलों में दोनो ही टीमों का प्रदर्शन अच्छा रहा है। सीएसके को इस मैच में अपने घरेलू हालात का लाभ मिलेगा। इसके अलावा उसके पास महेन्द्र सिंह धोनी का बेहतरीन कप्तान है। सीएसके के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं पर उसे गुजरात के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल पर अंकुश लगाना होगा। शुभमन ने अबतक इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। अंतिम लीग मैच में शुभमन के शतक से ही गुजरात ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर (आरसीबी) को हराकर प्लेऑफ से बाहर कर दिया था। ऐसे में सीएसके के खिलाफ मैच में इस युवा बल्लेबाज पर सभी की नजरें रहेंगी। गुजरात टाइटंस ने इस सत्र में चेपॉक पर एक भी मैच नहीं खेला है जो उसका कमजोर पक्ष है। वहीं सीएसके ने यहां सात मैच खेले हैं पर प्रत्येक मैच में पिच अगल तरीके से पेश आई। इसलिए यह अंदाजा लगाना कठिन है कि इस मैच में पिच किस प्रकार का व्यवहार करेगी।

यह मैच इसलिए भी अहम बन गया है क्योंकि गुजरात की फ्रेंचाइजी की रणनीति भी सीएसके की तरह ही है। उसमें भी अधिकतर फैसले कप्तान और कोच के ही रहते हैं। टीम के कप्तान हार्दिक का तरीका भी धोनी से मिलता-जुलता है वह भी शांत रहकर खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हैं। गुजरात की टीम भी सीएसके की तरह अंतिम एकादश में बहुत अधिक बदलाव नहीं करती है।

इस मैच में गुजरात के लिए चेपॉक की धीमी पिच पर खेलना एक परीक्षा की तरह होगा। इसके अलावा उनके लिए पावर प्ले में दीपक चाहर की गेंदबाजी और अंतिम ओवरों में स्पिनर मथीसा पथिराना, महेश तीक्ष्णा से निपटना भी एक बड़ी चुनौती रहेगी।

शनाका को ऑलराउंडर के तौर पर उपयोग किया जा सकता है पर टॉस को देखते हुए बाएं हाथ के स्पिनर आर साई किशोर को

भी आजमाया जा सकता है वह यहां के हालातों से अच्छी तरह परिचित हैं। वहीं आयरलैंड के जोशुआ लिटिल को भी अंतिम एकादश में जगह मिल सकती है। बल्लेबाजी की बात करें तो सीएके के लिए डेवोन कॉनवे और रुतुराज गायकवाड अच्छी शुरुआत कर सकते हैं। यहां अजिंक्य रहाणे ओर आक्रामक बल्लेबाज शिवम दुबे पर भी गुजरात के गेंदबाजों को अंकुश लगाना होगा। वहीं देखना होगा कि सीएससे के बल्लेबाज गुजरात के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और स्पिनर राशिद खान का किस प्रकार सामना करते हैं।

इस मैच में पिच कर सपाट रहती है तो ऐसे में स्पिनर खतरनाक साबित हो सकते हैं। सीएसके के पास जहां रविंद्र जडेजा, मोईन अली और तीक्ष्णा जैसे अच्छे स्पिनर हैं। वहीं टाइटंस के पास राशिद और नूर अहमद जैसे स्पिनर हैं। गुजरात की बल्लेबाज शुभमन के अलावा हार्दिक, साईं सुदर्शन और रिद्धिमान साहा पर आधारित रहेगी। कुल मिलाकर देखा जाये तो दोनो ही टीमों में काफी अच्छे खिलाड़ी हैं ऐसे में यह मैच रोमांचक होना तय है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं-

चेन्नई सुपर किंग्स: एमएस धोनी (कप्तान एवं विकेटकीपर), आकाश सिंह, मोइन अली, भगत वर्मा, दीपक चाहर, डेवोन कॉनवे, तुषार देशपांडे, शिवम दुबे, रुतुराज गायकवाड़, राजवर्धन हैंगरगेकर, रवींद्र जडेजा, सिसंडा मगाला, अजय मंडल, मथीशा पथिराना , ड्वेन प्रीटोरियस, अजिंक्य रहाणे, शैक रशीद, अंबाती रायडू, मिचेल सेंटनर, सुभ्रांशु सेनापति, सिमरजीत सिंह, निशांत सिंधु, प्रशांत सोलंकी, महेश तीक्ष्णा।

गुजरात टाइटन्स: हार्दिक पांड्या (कप्तान), शुभमन गिल, डेविड मिलर, अभिनव मनोहर, साईं सुदर्शन, रिद्धिमान साहा, मैथ्यू वेड, राशिद खान, राहुल तेवतिया, विजय शंकर, मोहम्मद शमी, अल्जारी जोसेफ, यश दयाल, प्रदीप सांगवान, दर्शन नलकंडे , जयंत यादव, आर. साई किशोर, नूर अहमद, दासुन शनाका, ओडियन स्मिथ, केएस भरत, शिवम मावी, उर्विल पटेल, जोशुआ लिटिल और मोहित शर्मा।

मैनचेस्टर सिटी ने प्रीमियर लीग में खिताबी हैट्रिक बनाई

मैनचेस्टर (एजेंसी)। मैनचेस्टर सिटी ने अपने घरेलू मैदान पर चेल्सी 1-0 से पराजित करके इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल प्रतियोगिता में लगातार तीसरा खिताब जीता। मैनचेस्टर सिटी का यह पिछले छह सत्र में पांचवां खिताब है और वह एक सत्र में तीन खिताब जीतने की तरफ बढ़ रहा है। उसे अभी एफए कप के फाइनल में मैनचेस्टर यूनाइटेड और चैंपियंस लीग के खिताबी मुकाबले में इंटर मिलान का सामना करना है। मैनचेस्टर सिटी के कोच पेप गार्डियोला ने कहा,'' सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक कहलाने के लिए हमें यूरोप को जीतना होगा, हमें चैंपियंस लीग जीतनी होगी।'' चेल्सी के खिलाफ जीत से मैनचेस्टर सिटी का सभी प्रतियोगिताओं में अजेय अभियान 24 मैच तक पहुंच गया है।

चेल्सी पर उसकी जीत में जूलियन अल्वारेज ने 12वें मिनट में गोल किया जो निर्णायक साबित हुआ। प्रीमियर लीग में यह उसकी लगातार 12वीं जीत है जिससे उसके 36 मैचों में 88 अंक हो गए हैं। उसे अभी दो मैच और खेलने हैं। दूसरे नंबर पर काबिज आर्सेनल के 37 मैचों में 81 अंक हैं। चेल्सी के खिलाफ मैनचेस्टर सिटी ने तब जीत दर्ज की जबकि उसके स्टार खिलाड़ी इर्लिंग हालैंड और केविन डि ब्रूएन को विश्राम दिया गया था। एक अन्य मैच में वेस्ट हैम ने लीड्स को 3-1 से हराया। इससे लीड्स दूसरी डिवीजन में खिसकने के करीब पहुंच गया है।

गांगुली पर भड़के विराट के प्रशंसक

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु (ईएमएस)। आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) और गुजरात टाइटंस के बीच हुए मुकाबले में विराट कोहली ने जहां आरसीबी की ओर से शतक लगाया। वहीं शुभमन गिल ने गुजरात की ओर से शतकीय पारी खेली। इस मैच में गुजरात की जीत के साथ ही आरसीबी बाहर हो गयी।

इस मैच के बाद भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने एक ट्वीट कर कहा कि इस मैच की दोनो ही पारियों में शानदार शतक लगे। साथ ही कहा कि इससे पता चलता है कि टूर्नामेंट का स्तर कितना ऊंचा है क्योंकि दोनो ही पारियों में शतक लगे हैं। इस ट्वीट में उन्होंने शुभमन का नाम तो लिया पर विराट का नहीं। इसी को लेकर विराट के प्रशंसक भड़क गये और उन्होंने गांगुली को ट्रोल करना शुरु कर दिया। गौरतलब है कि विराट और गांगुली के बीच तब दूरियां आ गयी थीं जब वो बीससीआई अध्यक्ष थे उस समय विराट एकदिवसीय कप्तानी से हटाये जाने से नाराज थे। उसके बाद से ही ये दोनो ही एकदूसरे के खिलाफ बयानबाजी करते रहे हैं। माना जा रहा है कि इसी कारण गांगुली ने अपने ट्वीट में विराट का नाम नहीं लिया। बहरहाल इस मैच में विराट ने अपना 7वां शतक लगाया पर वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। अपनी इस शतकीय पारी के साथ ही विराट ने कई रिकॉर्ड्स तोड़े और वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। पिछले मैच में भी कोहली ने सनराइजर्स हैदराबाद की टीम के खिलाफ आईपीएल में अपना छठा शतक लगाया था।

आरसीबी के खिलाफ शतकीय पारी खेलकर ऑरेंज कैप के लिए दूसरे पायदान पर पहुंचे शुभमन गिल

-फाफ डुप्लेसी शीर्ष पर कायम

मुंबई (एजेंसी)। 21 मई को आईपीएल 2023 का आखिरी डबल हेडर मुकाबला खेला गया। पहले मैच में मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 8 विकेट के बड़े अंतर से पटखनी दी। वहीं, दूसरे मैच में गुजरात टाइटंस ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को 6 विकेट से हारार दिया। मुंबई इंडियंस ने अपनी जीत और आरसीबी की हार के साथ ही प्लेऑफ में प्रवेश कर लिया। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ करो या मरो मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने जोरदार प्रदर्शन किया। कैमरून ग्रीन ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली, जिसके दम पर पांच बार की चैंपियन ने सनराइजर्स हैदराबाद से मिले 201 रन के लक्ष्य को हंसते-खेलते हासिल कर लिया। हैदराबाद की तरफ से मयंक अग्रवाल ने 83 रन की शानदार पारी खेली। गुजरात टाइटंस के खिलाफ हुए अहम मुकाबले में आरसीबी की टीम जीत दर्ज नहीं कर सकी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बैंगलोर ने स्कोर बोर्ड पर 5 विकेट खोकर 197 रन स्कोर बोर्ड पर लगाए। विराट कोहली ने बेहतरीन बल्लेबाजी कर आईपीएल 2023 मे लगातार दूसरा शतक जमाया। हालांकि, कोहली के शतक पर शुभमन गिल की नाबाद शतकीय पारी भारी पड़ी और गुजरात ने 198 रन के लक्ष्य को आखिरी ओवर की पहली गेंद पर हासिल कर लिया। वहीं ऑरेंज कैप फाफ डुप्लेसी के सिर की शोभा बढ़ा रही है। डुप्लेसी ने गुजरात के खिलाफ हुए मुकाबले में 28 रन की शानदार पारी खेली। इस सीजन डुप्लेसी ने 14 मैचों में 730 रन बनाए। गिल 104 रन की बेहतरीन पारी खेलने के बाद ऑरेंज कैप की रेस में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। गिल 14 मैचों में 680 रन जड़ चुके हैं। वहीं, कोहली शतक जमाने के साथ ही इस लिस्ट में 639 रन के साथ तीसरे नंबर पर काबिज हैं। यशस्वी जायसवाल 625 रन के साथ चौथे और डेवोन कॉनवे 585 रन बनाकर पांचवें नंबर पर मौजूद हैं।

आईपीएल विजेता टीम को मिलेंगे 20 करोड़ रुपये

-उपविजेता को 13 करोड़ रुपये

मुम्बई । आईपीएल के प्लेऑफ की टीम तय होते ही अब प्रशंसकों के मन में ये सवाल उठने लगा है कि इस बार विजेता टीम को मिलने वाली राशि कितनी होगी। आईपीएल में चार टीमों गुजरात टाइटंस, चेन्नई सुपर किंग्स, लखनऊ सुपर जायंट्स और मुम्बई इंडियंस ने प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया है।

आईपीएल 2023 का खिताब जीतने वाली टीम को 20 करोड़ रुपये की इनामी राशि मिलेगी।जाएगा।वहीं उपविजेता टीम को 13 करोड़ रुपये दिए जाएंगे।वहीं तीसरे और चौथे नंबर की टीमों को भी 7-7 करोड़ रुपये मिलेंगे।आईपीएल 2023 में जो खिलाड़ी सबसे अधिक रन बनाने के लिए ऑरेंज कैप जीतेगा उसे 15 लाख रुपये जबकि सबसे अधिक विकेट के लिए पर्पल कैप विजेता को भी 15 लाख रुपये ही मिलेंगे। वहीं इमर्जिंग खिलाड़ी को 20 लाख रुपये की राशि मिलेगी।इसके अलावा जो खिलाड़ी आईपीएल 2023 में सुपर स्ट्राइकर बनेगा उसे 15 लाख रुपये मिलेगें।इस सत्र में सबसे बेशकीमती खिलाड़ी को 12 लाख रुपये की राशि मिलेगी।

गुजरात टाइटन्स के खिलाफ मैच के बाद मेरा जीवन बदला : रिंकू

कोलकाता । आईपीएल के इस 16 वें सत्र में अपनी आक्रामक परियों से सभी को प्रभावित करने वाले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बल्लेबाज रिंकू सिंह ने कहा है कि गुजरात टाइटन्स के खिलाफ मैच के बाद उनकी जिंदगी में बदलाव आया है।रिंकू ने इस मैच में अंतिम ओवर में पांच छक्के लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी।रिंकू ने कहा कि इस मैच के बाद अब लोग उन्हें पहचाने लगे हैं।केकेआर को कई मैचों में अपने बल पर जीत दिलाने वाले रिंकू इस सत्र में शानदार फिनिशर के तौर पर उभरे हैं।रिंकू ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अहम मुकाबले में भी अंतिम गेंद तक अकेले संघर्ष किया।उन्होंने 33 गेंद पर 67 रन की नाबाद पारी खेली।केकेआर को जब आखिरी ओवर में 21 रन चाहिये थे तब विरोधी गेंदबाज यश ठाकुर ने शुरुआती तीन गेंद पर केवल तीन रन दिये पर रिंकू ने अंतिम तीन गेंद पर दो छक्के और एक चौक ही लगा पाये जिससे उनकी टीम को एक रन से हार का सामना करना पड़ा।रिंकू ने इस सत्र में 59.25 की औसत से 474 रन बनाने बनाये हैं।इस युवा बल्लेबाज ने कहा कि अभी मैं अपनी योजनाओं पर टिका रहूंगा और अभ्यास करता रहूंगा।नाम-इनाम आता रहेगा लेकिन मैं अपनी मेहनत जारी रखूंगा।

बृजभूषण की शर्त पर बोले बजरंग, नार्को टेस्ट के लिए तैयार हैं पहलवान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलवान बजरंग पुनिया ने कहा है कि वह अन्य पहलवानों के साथ नार्को टेस्ट के लिए तैयार हैं। बजरंग ने यह बात भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की उस शर्त को देखते हुए कही है जिसमें महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोपों से घिरे बृजभूषण ने कहा था कि वह नार्को टेस्ट के लिए तैयार है पर उनके साथ ही बजरंग , विनेश फोगाट और कुछ अन्य पहलवानों का भी नार्को टेस्ट होना चाहिये। बृजभूषण के बेटे प्रतीक भूषण सिंह ने एक ट्वीट में अपने पिता का एक संदेश टैग किया है। संदेश में लिखा है, मैं अपना नारको टेस्ट, पॉलीग्राफ टेस्ट या लाई डिटेक्टर टेस्ट करवाने के लिए तैयार हूं पर मेरी शर्त है कि मेरे साथ विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया का भी यह टेस्ट होना चाहिए। अगर दोनों पहलवान अपना टेस्ट करवाने के लिए तैयार हैं तो इस बात की घोषणा करें और मैं उनको वचन देता हूं कि मैं भी इसके लिए तैयार हूं।

संदेश में आगे कहा गया, मैं आज भी अपनी बात पर कायम हूं और हमेशा कायम रहने का देशवासियों से वादा करता हूं। प्रतीक ने अपने पिता का यह संदेश एक ट्वीट की शक्ल में पोस्ट किया है हालांक वह बृजभूषण के आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर नजर नहीं आ रहा है। बृजभूषण शरण सिंह ने कार्यक्रम में कहा कि मैं समझ पा रहा हूं कि जिन बच्चों को कामयाब बनाने के लिए मैंने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया, आज वही बच्चे राजनीति के लिए मेरे खिलाफ हो गये हैं।

उन्होंने कहा कि मैंने पहले दिन ही कहा था कि कब हुआ, कहां हुआ, किसके साथ, क्या हुआ? चार माह बाद भी यह लोग इस बात को बता नहीं पा रहे हैं। मेरे ऊपर अश्लील तरीके से छूने का आरोप है। लेकिन जैसे आपने मुझे माला पहनाया और आपका हाथ शरीर में लग जाए। कुछ इसी तरह की बात पर यह लोग मेरे लिये फांसी चाहते हैं। इनके पास कोई ऑडियो, वीडियो व कोई रिकॉर्डिंग नहीं है। बस कहानी पर कहानी चलाई जा रही है। उनको पता होना चाहिए कि पूरा देश आज आक्रोश में है। सभी जाति व धर्म के लोग मेरे साथ खड़े हैं।

वहीं बृजभूषण पर यौन शोषण का आरोप लगाते हुए देश के दिग्गज और युवा पहलवान इस समय दिल्ली के जंतर मंतर पर धरने पर बैठे हैं। इस मामले में पहलवानों को खाप पंचायतों का भी समर्थन मिल गया है। वहीं दिल्ली पुलिस भी बृजभूषण पर मामले दर्ज कर जांच कर रही है। इसके साथ ही खेल मंत्रालय ने जांच पूरी होने तक कुश्ती महासंघ की सभी गतिविधियों पर रोक लगा दी है। केन्द्रीय खेल मंत्रालय का कहना है कि हर प्रकार से इस मामले की जांच हो रही है, इसलिए अब पहलवानों को भी धरना समाप्त कर जांच रिपोर्ट का इंतजार करना चाहिये।

एमबाप्पे के दो गोल से फ्रांसीसी लीग में 11वें खिताब के करीब पहुंचा पीएसजी

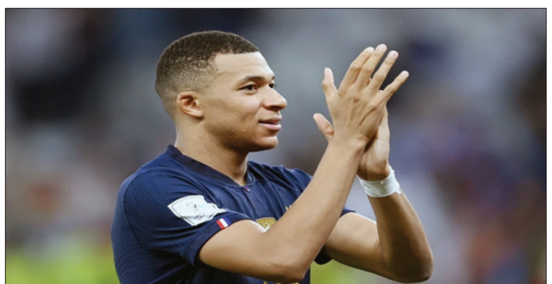

पेरिस।काइलियन एम्बाप्पे के दो गोल की मदद से पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने ऑक्सेरे को 2-1 से हराकर फ्रांसीसी फुटबॉल लीग में अपना 11वां खिताब लगभग सुनिश्चित किया।गत चैंपियन पीएसजी के इस जीत से 36 मैचों में 84 अंक हो गए हैं और वह दूसरे स्थान पर काबिज लेंस से छह अंक आगे हो गया है।उसका लेंस की तुलना में गोल अंतर काफी बेहतर है।उसे अब सैंट एटीने के 10 खिताब के रिकॉर्ड को पार करने के लिए केवल एक अंक की जरूरत है।अभी लीग में दो दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं।एम्बाप्पे ने आठवें मिनट तक ही पीएसजी को 2-0 से आगे कर दिया था।इन दोनों गोल को करने में लियोनेल मेसी ने उनकी मदद की।एम्बाप्पे इस सत्र में अभी तक सर्वाधिक 28 गोल कर चुके हैं और वह लियोन के स्ट्राइकर अलेक्सांद्रलोकाजेटे से दो गोल आगे हो गए हैं।

मुम्बई प्लेऑफ में पहुंची, 24 मई को सुपर जायंट्स से होगा एलिमिनेटर मुकाबला

मुम्बई ।मुम्बई इंडियंस की टीम आईपीएल के इस 16 वें सत्र के प्लेऑफ में पहुंच गयी है।मुम्बई ने अंतिम लीग मैच में सनराइजर्स हैदराबाद पर आठ विकेट से बड़ी जीत दर्ज की।इसके बाद गुजरात टाइटंस की रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ जीत के साथ ही मुम्बई की टीम प्लेऑफ में पहुंच गयी।आईपीएल के इस अंतिम लीग मुकाबले में जबरदस्त संघर्ष हुआ।इस मैच में हैदराबाद ने पहले बैटिंग करते हुए 5 विकेट खोकर 200 रन बनाए।इसके बाद मुम्बई ने यह लक्ष्य दो ओवर पहले ही 201 रन बनाकर हासिल कर लिया।मुम्बई की ओर से कैमरन ग्रीन ने तेजी से खेलते हुए 47 गेंद में नाबाद 100 रन बनाए।वहीं कप्?तान रोहित शर्मा ने पारी की शुरुआत करते हुए 37 गेंद में 56 रन बनाये थे। अब एलिमिनेटर मुकाबले में 24 मई को मुंबई इंडियंस का मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स से होगा।

इटली ने ब्राज़ील और जापान ने सेनेगल को हराया

ब्यूनस आयर्स ।अंडर-20 विश्व कप फुटबॉल में खिताब के दो मजबूत दावेदारों ब्राजील और सेनेगल को अपने शुरुआती मैचों में ही हार का सामना करना पड़ा। खिताब के प्रबल दावेदार ब्राजील को इटली ने 3-2 से हराया जबकि जापान ने सेनेगल को 1-0 से उलटफेर का शिकार बनाया।नाइजीरिया और कोलंबिया ने भी अपने मैच जीते लेकिन उनका सामना कमजोर टीमों से था।नाइजीरिया ने डोमिनिका गणराज्य को 2-1 से हराया, जबकि कोलंबिया ने इजरायल को इसी अंतर से पराजित किया।इटली ने ग्रुप डी के इस मैच में शुरू में ब्राजील पर दबदबा बनाया और एक समय वह 3-0 की बढ़त पर था।उसकी तरफ से मेटियो प्राटी ने 11वें मिनट में पहला गोल किया जबकि सेसरे कासादेई ने इसके बाद 27वें और 35वें मिनट में गोल किए।ब्राजील की तरफ से मार्कोस लिएंड्रो ने 72वें और 87वें मिनट में गोल किए लेकिन इससे वह हार का अंतर ही कम कर पाए।सेनेगल के खिलाफ ग्रुप सी के मैच में जापान की तरफ से स्ट्राइकर कुरयू मात्सुकी ने 15वें मिनट में गोल दागा जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ।

मेरा यह दूसरा शतक मेरे आलोचकों को जबाव, जिन्हें लगाता हैं मेरा टी-20 कैरियर खत्म : कोहली

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) भले ही आईपीएल 2023 के प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी हो, लेकिन विराट कोहली ने अपने प्रदर्शन से आलोचकों के मुंह बंद कर दिए हैं। खासकर उन लोगों के जो यह मानते हैं कि कोहली का करियर अंतिम पड़ाव पर है। कोहली ने आखिरी लीग मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 61 गेंदों में नाबाद 101 रन बनाए। यह उनका सीजन में लगातार दूसरा शतक रहा। कोहली ने शतकीय पारी लगने के बाद आलोचकों पर निशाना साधकर कहा कि उनका टी20 करियर बहुत पड़ा हुआ है।

कोहली ने कहा, शतक लगाकर मुझे बहुत अच्छा लगा। बहुत से लोग सोचते हैं कि मेरा टी20 क्रिकेट गिर रहा है, लेकिन मुझे ऐसा बिल्कुल नहीं लगता। मुझे लगता है कि मैं फिर से अपना सर्वश्रेष्ठ टी20 क्रिकेट खेल रहा हूं। कोहली के शतक की मदद से आरसीबी ने गुजरात के सामने 198 का लक्ष्य रखा था। लेकिन शुबमन गिल के 104 रनों के कारण आरसीबी मैच हार गया।

कोहली ने आईपीएल 2023 में लगातार 2 शतक लगाने का काम किया। कोहली ने कहा, मैं बस खुद को एंजॉय कर रहा हूं। मैं इसी अंदाज से टी20 क्रिकेट खेलता हूं। मैं गैप्स हिट करना चाहता हूं, बहुत सारी बाउंड्री हिट करना चाहता हूं और अगर जरूरत पड़े तो फिर अंत में बड़े शॉट लगाने की कोशिश करता हूं। बता दें कि कोहली टी20 करियर में 12,000 रन पूरे करने से बेहद करीब हैं। आईपीएल, अंतरराष्ट्रीय और सभी तरह की टी20 को मिलाकर कोहली ने 374 टी20 मैचों में 41.40 की औसत और 133.35 के स्ट्राइक रेट से 11,965 रन बनाए लिए हैं, जिसमें 8 शतक और 91 अर्धशतक शामिल हैं।

भारत की अवनीत को विश्व कप में तीरंदाजी में मिला कांस्य

चंडीगढ़ ।भारतीय महिला तीरंदाज अवनीत कौर ने चीन के शंघाई शहर में जारी तीरंदाज़ी विश्व कप में तीसरा स्थान हासिल कर कांस्य पदक अपने नाम किया है। पंजाब की अवनीत ने विश्व कप में महिला वर्ग की व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा में तीसरे स्थान के लिए हुए मैच में तुर्की की तीरंदाज़ इपेक तोमुरक को 147-144 से हराया।अवनीत ने विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था पर उसे यहां इंग्लैंड की तीरंदाज़ इल गिब्सन से 144-146 से हार का सामना करना पड़ा था।पंजाब के खेल मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने अवनीत इस उपलब्धि पर प्रशंसा करते हुए उसे बधाई देते हुए कहा कि उसने राज्य और देश का गौरव बढ़ाया है।उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय तीरंदाज़ की कड़ी मेहनत, लगन और समर्पण भावना के साथ उसके कोच और माता-पिता को दिया।खेल मंत्री ने अवनीत को भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह इस खेल में देश का भविष्य हैं।

THE PHOTON NEWS
08 www.thephotonnews.com
Tuesday, 23 May 2023

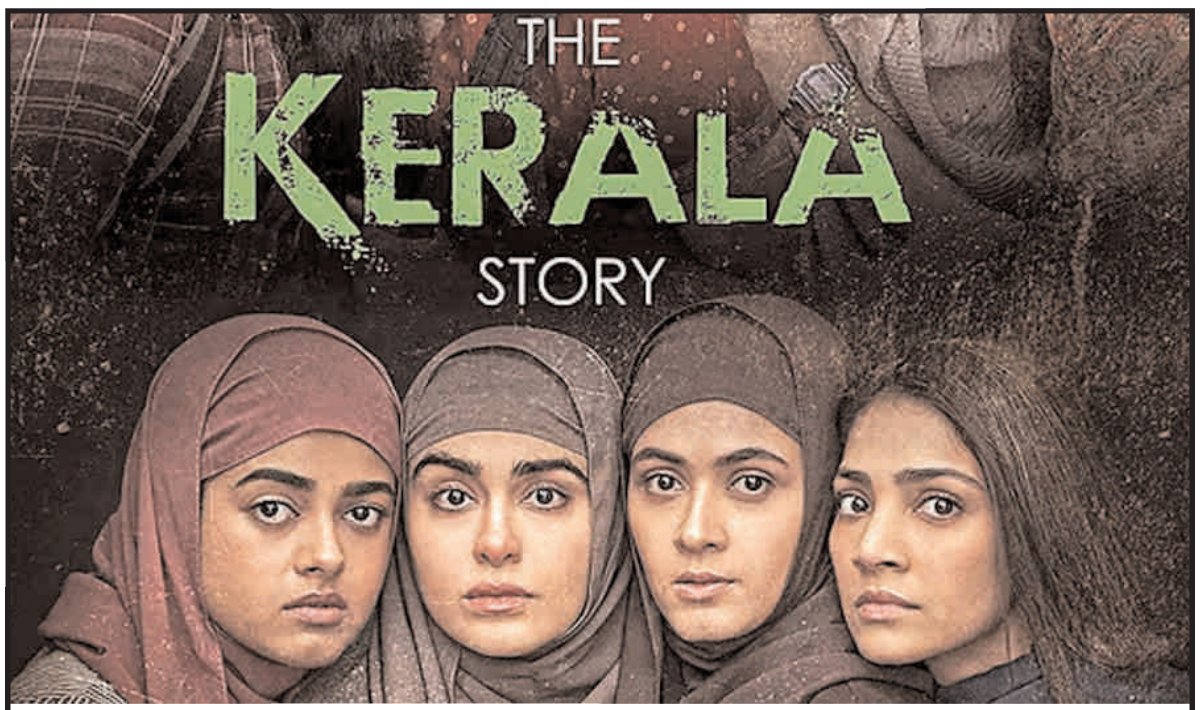

200 करोड़ के नजदीक पहुँची

द केरला स्टोरी

द केरल स्टोरी प्रगति पर है। फिल्म ने अपने दूसरे सप्ताहांत में भी बॉक्स ऑफिस पर अपनी गति बनाए रखी। अदा शर्मा और योगिता बिहानी की प्रमुख भूमिकाओं वाली यह फिल्म धार्मिक रूपांतरण के गंभीर विषय और तीन महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म का निर्देशन सुदीप्तो सेन ने किया है। शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, फिल्म 200 करोड़ रुपये तक पहुंचने के करीब पहुंच रही है। फिल्म आने वाले हफ्ते में आंकड़ा पार कर सकती है। शनिवार को, द केरला स्टोरी ने अपने सोलहवें दिन सभी भाषाओं में 9 करोड़ रुपये कमाए। इसके साथ, फिल्म की कुल कमाई अब 180 करोड़ रुपये (लगभग) हो गई है। इसने शुक्रवार के कलेक्शन से भी बेहतर कमाई की है। केरल स्टोरी का निर्माण विपुल शाह ने किया है और इसे दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। कई लोगों ने इसे प्रोपेगेंडा फिल्म बताया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए विपुल शाह ने कहा, फिल्म का सफर शानदार रहा है लेकिन अभी लंबा सफर बाकी है। हम पर भी कई तरह के आरोप लगे। उन्होंने हमें प्रोपेगैंडा फिल्म कहा और क्या नहीं। लेकिन दर्शकों ने उस सबका जवाब दिया है। जिस तरह से दर्शकों ने फिल्म को स्वीकार किया और सराहा है और जो प्यार दिया है, वह उन सभी आरोपों का एक उपयुक्त जवाब है। फिल्म को पशिचम बंगाल तमिलनाडु और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में बैन का सामना करना पड़ा।

कार्तिक और कियारा स्टारर

सत्यप्रेम की कथा के मेकर्स ने जारी किया रोमांटिक पोस्टर

कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी स्टारर अपकमिंग फिल्म सत्यप्रेम की कथा का टीजर रिलीज हुए अभी एक दिन हुआ है, जिसमें दर्शकों को पूरी तरह से एक प्योर रोमांटिक लव स्टोरी की झलक दी है। फिल्म के टीजर में कार्तिक-कियारा की शानदार केमेस्ट्री ने भी लोगों को अपना दीवाना बना दिया। ऐसे में अब मेकर्स ने इस अपकमिंग म्यूजिकल रोमांस का एक नया पोस्टर जारी किया है जिसपर कार्तिक-कियारा की ब्लॉकबस्टर जोड़ी नजर आ रही हैं। मेकर्स ने ये पोस्टर खास आज के दिन इसलिए रिलीज किया है क्योंकि आज भूल भुलैया 2 को एक साल पूरे हो चुके है। जी हां, दर्शकों को ये पोस्टर लॉन्च उसी दिन देखने को मिला जब 2022 में भूल भुलैया 2 रिलीज हुई थी और जिसमें पहली बार कियारा-कार्तिक की हिट जोड़ी बड़े पर्दे पर दिखी थीं। यह वास्तव में लोगों को आकर्षित करने के लिए एक खास पल है क्योंकि यह 20 मई 2022 था, जब भूल भुलैया 2 रिलीज हुई थी और इस साल 20 मई 2023 को सत्यप्रेम की कथा का पोस्टर रिलीज किया गया है। पोस्टर प्यार में पड़ने के लिए बिल्कुल लायक लग रहा है। जादुई जोड़ी कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी के इस पोस्टर ने फिर से प्यार और रोमांटिक वाइब्स की यादें ताजा कर दी है। सत्यप्रेम की कथा एनजीई और नम: पिक्चर्स के बीच बड़े पैमाने पर सहयोग का प्रतीक है। दिलचस्प बात यह है कि साजिद नाडियाडवाला और शरीन मंत्री केडिया ने किशोर अरोड़ा और निर्देशक समीर विद्वांस के साथ अपनी अपनी फीचर फिल्मों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीता हैं।

श्रेयस तलपड़े ने गोलमाल 5 को लेकर दिया अपडेट

रोहित शेट्टी की गोलमाल फेंचाइजी ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है। इस फेंचाइजी की 4 फिल्मों रिलीज हो चुकी हैं। फैंस गोलमाल 5 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। रोहित गोलमाल 5 पर काम शुरू कर चुके हैं। बताया जा रहा है कि सिंघम अगेन की शूटिंग पूरी होते ही गोलमाल 5 की आधिकारिक घोषणा हो जाएगी। वहीं अब गोलमाल फेंचाइजी में अहम भूमिका निभाने वाले एक्टर श्रेयस तलपड़े ने गोलमाल 5 को लेकर एक खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें यकीन है कि ये फिल्म जल्द बनेगी। साथ ही उन्होंने बताया कि फिल्म गोलमाल 5 की कहानी सिर्फ निर्देशक रोहिट शेट्टी को ही पता है। श्रेयस तलपड़े ने कहा कि जैसे फैंस को फिल्म गोलमाल 5 की रिलीज का इंतजार है, वैसे उन्हें भी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। उन्होंने कहा, सच कहूं तो सिर्फ फैंस ही नहीं, हम भी गोलमाल 5 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

चिंगारी मेरे लिए महत्वपूर्ण फिल्म

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता विक्रांत सिंह राजपूत का कहना है कि फिल्म चिंगारी उनके करियर की महत्वपूर्ण फिल्म है, जिसकी कहानी बेहद खास है। विकांत सिंह राजपूत और आकांक्षा अवस्थी इन दिनों फिल्म 'चिंगारी' की शूटिंग उत्तर प्रदेश में कर रहे हैं। विक्रांत सिंह राजपूत ने कहा कि चिंगारी मेरी महत्वपूर्ण फिल्म है। इस फिल्म की कहानी बेहद खास होने वाली है। उसकी चर्चा अभी नहीं कर सकते हैं, लेकिन इतना जरूर है कि हमारी फिल्म आपके भी दिलों में चिंगारी लगाने वाली होगी। फिलहाल हम सभी अपने किरदार पर फोकस कर रहे हैं। आकांक्षा के साथ काम करने में सहजता महसूस होती है। वह इंडस्ट्री की काबिल अभिनेत्री हैं। उम्मीद है दर्शकों को भी हमारी केमेस्ट्री खूब भाने वाली है। गौरतलब है कि अक्स पाठशाला इंटरटेनमेंट एलएलपी प्रस्तुत भोजपुरी फिल्म चिंगारी के निर्माता विवेक कुमार हैं और फिल्म के निर्देशक कन्हैया विश्वकर्मा हैं। विक्रांत और आकांक्षा के अलावा फिल्म चिंगारी में कुणाल सिंह, रानी चटर्जी, संजय पांडेय, माया यादव, विनीत विशाल, देव सिंह, आयाज़ खान, जशवीन्द्र गार्ड्नर, कृष्णा यादव, रवि तिवारी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म की कहानी राकेश त्रिपाठी ने लिखी है। म्यूजिक मधुकर आनंद और रजनीश मिश्रा ने दिया है। आर्ट डायरेक्टर राम बाबू ठाकुर हैं। एक्सक्यूटिव प्रोड्यूसर रोहित शर्मा और एसोसिएट डायरेक्टर रवि तिवारी हैं। डीओपी प्रकाश, क्रिएटिव हेड कृष्णा यादव, और कोरियोग्राफ़र कानू मुखर्जी हैं।

सुरवीन एक दशक के बाद कान फिल्म फेस्टिवल में होंगी शामिल

एक्ट्रेस सुरवीन चावला प्रतिष्ठित कान फिल्म फेस्टिवल 2023 में नजर आएंगी। प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल में सुरवीन का यह दूसरा मौका है। उन्होंने 2013 में कान में अपनी फिल्म अग्ली के लिए शुरूआत की थी। इस बारे में बात करते हुए सुरवीन ने कहा, मैं प्रतिष्ठित कान फिल्म फेस्टिवल में दूसरी बार जाने को लेकर उत्साहित हूं। कान मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखता है और इस प्रतिष्ठित रेड कार्पेट का हिस्सा बनना एक अविश्वसनीय सम्मान की बात है। मैं भाग्यशाली रही हूं कि मुझे साल के सबसे प्रतिष्ठित कार्यक्रमों में से एक में भाग लेने का मौका मिला, जिसमें फिल्म दिग्गज, फैशन एक्सपर्ट्स और मनोरंजन इंडस्ट्री के सबसे बड़े नाम शामिल हुए। मैं हाई फैशन लेंस के माध्यम से हमारी वाइब्रेंट कल्चर का एक हिस्सा प्रदर्शित करने के लिए उत्सुक हूं। सारा अली खान, ऐश्वर्या राय बच्चन, उर्वशी रौतेला सहित कई बॉलीवुड हस्तियों ने वहां रेड कार्पेट पर अपना बेस्ट फैशन पेश किया।

काम से नाखुश होकर इंडस्ट्री छोड़ना चाहती थीं वामिका

वामिका गिब्बी ने खुलासा किया कि वह ओटीटी पर काम करने बहुत खुश हैं, लेकिन एक समय था जब वह अभिनय छोड़ना चाहती थीं। कई पंजाबी और दक्षिण फिल्में करने के बाद वामिका गब्बी ने तीन साल में ओटीटी स्पेस में अपनी जगह बनाई है। अभिनेत्री ने हाल ही में ग्रहण, माई और जुबली जैसे शो में प्रमुख भूमिकाएं निभाई हैं। अब हाल ही में दिए इंटरव्यू में वामिका ने खुलासा किया है कि कुछ साल पहले वह इंडस्ट्री छोड़ने का मन बना चुकी थीं। उन्हें ऐसा लगता था कि वह अभिनेत्री बनने के लिए नहीं बनी हैं, लेकिन फिर उनकी जिंदगी में एक टर्निंग पॉइंट आया और उनका करियर चमक गया। वामिका गिब्बी ने बताया कि साल 2019 में मैं साल में पांच से छह फिल्में कर रही थी। मेरी फीस बढ़ गई थी और मैं और अधिक पैसा कमाने के लिए तैयार थी, लेकिन जो पेशकश की जा रही थी, उससे मैं बहुत नाखुश थी और मैं सोचने लगी कि शायद मैं अभिनेत्री बनने के लिए नहीं बनी हूं। मैंने वह सब छोड़ने का फैसला किया और अपने सच्चे जुनून की तलाश करनी शुरू की। अभिनेत्री ने कहा कि मैं बहुत आशान्वित नहीं थी, लेकिन मुझे वह ऑडिशन सीन इतना पसंद आया कि मैंने उसे अपना सर्वश्रेष्ठ दिया और मुझे शॉर्टलिस्ट कर लिया गया। मुझे तीन दिवसीय अभिनय कार्यशाला के लिए नामांकित किया गया था और उस दौरान मुझे अपने अभिनय और कला से फिर से प्यार हो गया। अभिनेत्री ने ओटीटी पर निभाए किरदारों के बारे में बात करते हुए कहा कि वह उन्हें बहुत पसंद नहीं आए। उन्होंने कहा कि जब मैं ओटीटी कर रहा थी, तब कोविड की वजह से सिनेमाघर बंद थे और यहां मुझे ऐसे विविध और गहरे किरदार मिल रहे थे, जो आम तौर पर इंडस्ट्री में कई सालों के बाद कलाकारों को मिलते हैं।

फार्मा उद्योग को लेकर रितेश के साथ

सीरीज बना रहे हैं राजकुमार गुप्ता!

राज कुमार गुप्ता भारत के सबसे प्रसिद्ध फिल्म निर्माताओं में से एक हैं, जिन्होंने अजय देवगन और इलियाना डिक्रूज स्टारर रेड, रानी मुखर्जी और विद्या बालन के बेमिसाल अभिनय से सजी नो वन किल्ड जेसिका और राजीव खंडेलवाल की आमिर जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है। उनका आखिरी निर्देशित फिल्म - इंडियाज मोस्ट वांटेड, जिसमें अर्जुन कपूर थे, 2019 में प्रदर्शित हुई थी। उसके बाद से राजकुमार गुप्ता ने किसी फिल्म की घोषणा नहीं की। पिंकविला के अनुसार अब राजकुमार गुप्ता एक वेब सीरीज का निर्देशन करने जा रहे हैं, जिसके लिए उन्होंने रितेश देशमुख और रॉनी स्क्रूवाला से हाथ मिलाया है। बताया जा रहा है कि राजकुमार गुप्ता की यह वेब सीरीज भारत में फार्मा उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती है। निर्माता रोनी स्क्रूवाला इस फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। उनका कहना है, यह एक बहुत ही दिलचस्प कहानी है, जिसे राजकुमार गुप्ता कुछ समय से परदे पर उतारना चाहते थे। उन्हें लगता है कि लॉन्ग फॉर्म फॉर्मेट स्क्रिप्ट के साथ पूरा न्याय करेगा, यही वजह है कि उन्होंने इसके लिए डिजिटल रास्ता चुना। कथानक के हिसाब से उन्हें इस किरदार के लिए रितेश देशमुख उपयुक्त लगे। अब दोनों ने चंडीगढ़ में इसके लिए शूटिंग भी शुरू कर दी है। यह पहला मौका नहीं है जब राजकुमार गुप्ता और रॉनी स्क्रूवाला एक साथ काम करने जा रहे हैं, इससे पहले रॉनी स्क्रूवाला ने राजकुमार गुप्ता की आमिर, नो वन किल्ड जेसिका और घनचक्कर का निर्माण किया है। इस बीच, रितेश

जिसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। रोमांटिक ड्रामा रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा द्वारा सुर्खियों में था, और 2022 में सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद, पिछले महीने डिज्नी + हॉटस्टार पर इसका प्रदर्शन हुआ था। इसके अलावा, रितेश देशमुख के पास पाइपलाइन में आदित्य सरपोतदार की ककुड़ा भी है, जिसमें सोनाक्षी सिन्हा और साकिब सलीम सह-कलाकार हैं।

बॉलीवुड एक्ट्रेस नुसरत भरूचा इन दिनों अपनी फिल्म छत्रपति की वजह से सुर्खियों में हैं। इसमें उनके अपोजिट बी श्रीनिवास हैं। इस मूवी ने बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखाया। अब एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू दिया है, जिसमें उन्होंने बॉलीवुड से लेकर एक्टर श्रीनिवास के बारे में बात की है। सोनू के टीटू की स्वीटी से फेमस हुईं नुसरत भरूचा ने कई फिल्मों में काम किया है। वह जनहित में जारी, ड्रीम गर्ल, सेल्फी, प्यार का पंचानामा 2, छोरी जैसी मूवीज कर चुकी हैं। वह फिलहाल अपनी हालिया फिल्म छत्रपति के कारण चर्चा में हैं। ये बॉक्स ऑफिस पर तो कुछ कमाल नहीं कर पाई लेकिन नुसरत ने इसे प्रमोट करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

बेकार फिल्में दर्शक रिजेक्ट करें: नुसरत